सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 342 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 25 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

राष्ट्रपति ने लौटाया शुभेन्दु सरकार का एंटी गुंडा बिल

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पश्चिम बंगाल के 'एंटी-गुंडा' बिल को केंद्रीय कानून से टकराव की वजह से मंजूरी नहीं दी। उन्होंने बिल पर गंभीर आपत्ति जताकर इसे शुभेंदु अधिकारी सरकार को लौटा दिया है। दरअसल, केंद्र सरकार ने प्रस्तावित कानून और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एनडीपीएस एक्ट, 1985 के बीच टकराव का मुद्दा उठाया था।

फिलहाल विदेशी उड़ाएंगे मुख्यमंत्री का जेट विमान

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार के लिए आ रहे बॉम्बार्डियर चैलेंजर-3500 विमान को फिलहाल विदेशी पायलट ही उड़ाएंगे। डीजीसीए के कड़े नियमों, पायलटों की री-ट्रेनिंग और इस हाई-टेक विमान के प्रोटोकॉल को लेकर यह बात सामने आई है कि फिलहाल भारतीय पायलटों को इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा। 250 करोड़ का सुपर-मिड साइज बिजनेस जेट 'बॉम्बार्डियर चैलेंजर 3500' के पास 6,297 किलोमीटर का नॉन-स्टॉप रेंज होगा। कनाडा से उड़ान भरने को तैयार यह विमान 30 सितंबर तक भोपाल पहुंचने वाला है, लेकिन इससे पहले इसकी हर तकनीकी बारीकी को परखा जा रहा है।

गयाजी में पितृपक्ष मेले का आगाज

विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेले प्रारंभ, 10 अक्टूबर तक पिंडदान

गयाजी। पितृपक्ष मेले का शुभारंभ शुक्रवार को हो गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गयाजी में इस मेले का उद्घाटन किया। इसके साथ ही त्रिपाक्षिक गयाश्राद्ध भी शुरू हो गया। इसके लिए देश के विभिन्न हिस्सों से पिंडदानियों का गयाजी पहुंचना जारी है। त्रिपाक्षिक गयाश्राद्ध करने वाले पिंडदानी पुनपुन नदी या गोदावरी तालाब से कर्मकांड शुरू करेंगे। ये आगामी 10 अक्तुबर तक चलेगा। इस अवसर पर गयाजी और पुनपुन आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग की ओर से व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। गयाजी के गांधी मैदान और गया जंक्शन सहित प्रमुख स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, सूचना एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न व्यवस्थाएं की जा रही हैं। गयाजी के गांधी मैदान में 2500 क्षमता वाले टेंट सिटी का निर्माण कराया गया है। यहां पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की निगरानी और सुविधा के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।

चंदनीडीह में जलभराव से रायपुर से कटा दुर्ग धमतरी के बांधों से छोड़ा पानी, स्कूल भी बंद

सड़कें जलमग्न, निचले इलाकों में बाढ़ के हालात, उफनते नदी नालों को पार करने की न करें कोशिश

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग/रायपुर/जगदलपुर। बीती शाम से लगातार हो रही बारिश के चलते रायपुर-दुर्ग नेशनल हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ है। कुम्हारी ओवरब्रिज के समीप चंदनडीह में जलभराव के कारण दुर्ग-रायपुर के बीच यातायात थम सा गया है। यातायात पुलिस ने रायपुर की ओर जाने वाले यात्रियों से प्रभावित मार्ग पर दबाव न बनाने और वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की अपील की है।

यातायात पुलिस के अनुसार, सड़क पर पानी जमा होने के कारण वाहनों की आवाजाही धीमी गति से हो रही है। ऐसे में वाहन चालकों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। साथ ही अतिरिक्त समय लेकर चलने की अपील की है।

धमतरी सहित कुछ जिलों में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय और अनुदान प्राप्त शालाओं में 25 सितंबर को अवकाश घोषित किया गया है। वर्तमान में संचालित त्रैमासिक परीक्षा के संबंध में दिशानिर्देश और आदेश अलग से जारी किए जाएंगे।

जलाशयों से छोड़ा पानी

धमतरी जिले के प्रमुख जलाशयों में पानी की आवक बढ़ गई है। जिले के गंगरेल, मुरुमसिल्ली, दूधावा और सोंढूर जलाशयों में जलभराव की स्थिति को देखते हुए विभिन्न गेटों से पानी छोड़ा जा रहा है। प्रशासन ने महानदी के किनारे बसे गांवों को सतर्क कर दिया है।

बस्तर में बरपा कहर

भारी बारिश के चलते कई नदी नाले उफान पर हैं। एक जिले का दूसरे जिलों से का संपर्क टूट गया है। जगदलपुर में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते कई सड़कें जलमग्न हो गई हैं और निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। जगदलपुर को बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा से जोड़ने वाले मार्गों पर भी आवागमन प्रभावित हुआ है। डिमरापाल के पास नेशनल हाईवे पर पानी लबालब भर जाने से मार्ग अवरुद्ध हो गया है।

इंद्रावती उफान पर

ओडिशा के खाटीगुडा डैम से करीब 5 लाख घन मीटर पानी छोड़े जाने के बाद इंद्रावती नदी का जलस्तर भी तेजी से बढ़ा है। दूध नदी के उफान के चलते आमाबेड़ा क्षेत्र के 70 से अधिक गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। आमाबेड़ा-धनोरा मार्ग और कांकेर-आमाबेड़ा मार्ग पर आवागमन बंद है। पुलिस ने लोगों को चेतावनी दी है कि वे उफनते नाले को पार न करें।

मोदी ने देखा मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड, कहा - आरोपों का जवाब दें

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों को खास निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि तथ्यों को जानना और उन्हें सही ढंग से बताना बहुत जरूरी है। उन्होंने मंत्रियों से मुद्दों का विस्तार से अध्ययन करने और नकारात्मक बातों का जवाब देने के लिए सरकार का पक्ष रखने को कहा है। पीएम मोदी यह सुझाव दो दिनों के 'चिंतन शिविर' के दौरान तब दिया गया, जब चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया और आईआईटी-बॉम्बे विवाद जैसे मुद्दे बहस का केंद्र बन गए हैं।

एनबीटी में प्रकाशित खबर के मुताबिक प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को सलाह दी है कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों और मीडिया से बातचीत के दौरान सरकार का पक्ष रखें। चिंतन शिविर के दौरान सत्र में हुई चर्चाओं की जानकारी रखने वाले एक सदस्य ने कहा कि पीएम मोदी का संदेश साफथा कि मंत्रियों को मुद्दों की पूरी जानकारी होनी चाहिए और उन्हें तथ्यों और विवरणों के साथ दूसरी बातों का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए।

पीएम मोदी ने मंत्रियों से कहा कि वे चुनौतियों की पहचान करें, कमियों को बताएं। सरकारी योजनाओं के लिए कार्य योजनाएं सुझाएं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि लाभार्थियों के व्यापक हित में तय समय सीमा के भीतर उनके अपेक्षित परिणाम मिलें।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बेहतर प्रदर्शन के लिए सभी स्तरों के अधिकारियों के साथ बातचीत जरूरी है। पीएम ने मंत्रियों से कहा है कि वे लगभग 40-45 प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें और उनके फायदों के बारे में सही लाभार्थियों को प्रभावी ढंग से बताएं।

बस्तर दशहरा : सोल्लास संपन्न हुई डेरी गड़ाई की रस्म

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा के अंतर्गत मण्डप आच्छादन का मुख्य आधार रस्म डेरी गड़ाई गुरुवार को पारंपरिक विधि-विधान, लोक-संस्कृति और देव-विधान के तहत संपन्न हुई। इसके साथ ही बस्तर दशहरा के मांगलिक मंडप की आधारशिला रखी गई।

ग्राम बिलोरी से ग्रामीण दो विशेष काष्ठ स्तंभों (डेरी) को लेकर सिरहासार भवन पहुंचे। इसे मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के बाद स्थापना की गई।

डेरी स्थापना के बाद हल्दी खेली गई,

जिसने बस्तर दशहरा के इस पावन अवसर को एक भव्य मांगलिक प्रसंग की तरह आत्मीयता व आनंद के रंगों से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम में सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप, बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष बलराम मांझी, महापौर संजय पाण्डे सहित कमिश्नर डोमन सिंह, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके साथ ही विभिन्न परगनों से पहुंचे मांझी-चालकी, नाइक-पाइक, मेम्बर-मेम्बरीन, पुजारी, गायता, सिरहा-गुनिया, पेरमा सहित बड़ी संख्या में पारंपरिक मुखिया और श्रद्धालु नागरिक इस मांगलिक अनुष्ठान के साक्षी बने।

11.82 लाख से अधिक परिसंपत्तियों की जियो टैगिंग कर राष्ट्रीय औसत से भी आगे निकल गया छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विकसित भारत जीरामजी योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिसंपत्तियों की पारदर्शी निगरानी और डिजिटलीकरण के लिए संचालित 'भूग्राम' (स्टेज-।।।) अभियान में छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। भौगोलिक विषमताओं और सीमित कनेक्टिविटी की चुनौतियों के

बावजूद राज्य ने अपनी 99.34 प्रतिशत परिसंपत्तियों का जियो-टैगिंग कार्य पूरा कर लिया है।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी 24 सितंबर 2026 तक की रिपोर्ट के अनुसार, छत्तीसगढ़ में निर्मित कुल 11,90,327 परिसंपत्तियों में से रिकॉर्ड 11,82,480 परिसंपत्तियों की जियो-टैगिंग पूर्ण की जा चुकी है। देश भर में सृजित कुल 3,23,91,318 परिसंपत्तियों में से 3,01,49,345 का जियो-टैग पूरा हुआ है, जिसका राष्ट्रीय औसत 93.08 प्रतिशत है। छत्तीसगढ़ ने 99.34 प्रतिशत का आंकड़ा हासिल कर देश के शीर्ष राज्यों में अपना स्थान मजबूत किया है।

चंदा चोरी मामले में एसआईटी की चार्जशीट पर उठे सवाल

लखनऊ (ए.)। राम जन्मभूमि मंदिर में चंदा चोरी से जुड़े मामले में एसआईटी की चार्जशीट पर भी अब गंभीर सवाल खड़े होना शुरू हो गए हैं। पूर्व आईपीएस और आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने डीजीपी को पत्र भेजकर चार्जशीट पर घोर असहमति जताई है।

अमिताभ ठाकुर ने आरोप लगाया कि जांच में नकदी गायब करने की सैकड़ों घटनाएं और पर्यवेक्षीय चूक सामने आने के बावजूद अंतिम चार्जशीट को महज 8 लोगों तक सीमित कर दिया गया है। मामले की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने बीएनएस की धारा 193(9) के तहत दोबारा

विस्तृत जांच कराने की मांग की है।

पत्र में अमिताभ ठाकुर ने कहा कि मीडिया और उपलब्ध स्रोतों से सामने आए तथ्यों के अनुसार, एसआईटी की शुरुआती जांच में 70 अलग-अलग घटनाओं और गंभीर पर्यवेक्षीय स्तर की चूकों को रेखांकित किया गया था। इसके बाद की विस्तृत एसआईटी जांच में यह संख्या बढ़कर 105 हो गई, जिसमें अनधिकृत रूप से नकदी हटाने या छिपाने की घटनाओं का स्पष्ट उल्लेख था।

इतना ही नहीं, दान राशि की गिनती प्रक्रिया के दौरान बाहरी और अन्य व्यक्तियों की मदद लिए जाने की बात भी सामने आई थी। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया में एसआईटी ने सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान, बैंकिंग और वित्तीय अभिलेखों के साथ-साथ व्यापक फॉरेंसिक ऑडिट का भी सहारा लिया था।

तेंदुए ने बच्ची को उठाया, खेत में मिला शव

जूनागढ़। जिले में बुधवार रात तेंदुए ने 6 साल की बच्ची प्रिशा सोलंकी पर हमला कर उसे मार डाला। घटना का सीसीटीवी वीडियो शुक्रवार को सामने आया। घटना मेंदरडा में थोभणभाई कोराट के खेत में हुई। गिर वेस्ट डिविजन के डीएफओ प्रशांत तोमर के मुताबिक, तेंदुए के हमले के बाद बच्ची का शव खेत के पास मिला। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने 8 पिंजरे लगाए हैं।

सिंहस्थ-26 : सीएम मोहन यादव और उनकी बहन के घर पर चलेगा बुलडोजर

उज्जैन (ए.)। सिंहस्थ-2028 को लेकर उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण का काम तेजी से चल रहा है। विस्तारीकरण मार्ग में आड़े आ रहे मकानों को तोड़ा जा रहा है। इस जद में सीएम मोहन यादव का भी मकान आ गया है। उनके पैतृक मकान का कुछ हिस्सा टूटेगा। इसके साथ ही उनकी बहन कलावती यादव का मकान भी इस जद में है।

दरअसल, उज्जैन के खजूर वाली मस्जिद से अब्दालपुरा, जीवाजीगंज थाना होते हुए गणेश चौक तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण होना है। यह मार्ग करीब 730 मीटर लंबा है इसे 15 मीटर चौड़ा किया जाना है। इस क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण की जद में 272 इमारतें आ रही हैं। इसमें सीएम मोहन यादव का पैतृक मकान और उनकी बड़ी बहन एवं नगर निगम सभापति कलावती यादव का घर भी शामिल है। निगम की टीम ने मकानों की नपती कर लाल निशान लगाए हैं।

आजमगढ़ के इस कारीगर ने एक ही प्रतिमा में उकेर दिया शिव-पार्वती का रूप

आजमगढ़ (ए.)। नवरात्रि की आहट के साथ आजमगढ़ की गलियों में देवी प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने की तैयारियां तेज हो गई हैं। रानी की सराय में एक ऐसी प्रतिमा तैयार हुई है, जो अपनी अनोखी बनावट के कारण लोगों का ध्यान खींच रही है। एक ही शरीर में भगवान शिव और माता पार्वती के दो अलग-अलग स्वरूप दिख रहे हैं। प्रतिमा को देखने पर शिव और पार्वती की अलग पहचान स्पष्ट दिखाई देती है, जबकि दोनों स्वरूप एक ही देह में गढ़े गए हैं।

यह अनोखा शिल्प रानी की सराय के मूर्तिकार अरविंद सिंह पटेल की कार्यशाला में तैयार किया गया है। यहां दुर्गा पूजा के

लिए कई तरह की प्रतिमाएं बनाई जा रही हैं। स्थानीय कारीगरों के साथ पश्चिम बंगाल और कोलकाता से आए कारीगर भी प्रतिमा निर्माण में जुटे हैं। लेकिन शिव-पार्वती की यह प्रतिमा अपनी अलग डिजाइन के कारण खास आकर्षण बनी हुई है।

मूर्तिकार अरविंद सिंह पटेल के मुताबिक, इस प्रतिमा का आइडिया उन्हें इंस्टाग्राम पर दिखाई दिए एक डिजाइन से मिला। डिजाइन को देखने के बाद उन्होंने उसी तर्ज पर आजमगढ़ में प्रतिमा तैयार करने का फैसला किया।

करीब 15 दिन से अधिक समय और लगभग 50 हजार रुपये की लागत से प्रतिमा को तैयार किया गया। सबसे चुनौतीपूर्ण काम था एक ही शरीर में दोनों स्वरूपों की अलग पहचान बनाए रखना। चेहरे, शरीर की बनावट और प्रतिमा के अलग-अलग हिस्सों को इसी हिसाब से आकार दिया गया।

संपादकीय

चुनाव आयोग की जवाबदेही

एसआईआर की विसंगति से मताधिकार का हनन

हाल के वर्षों में चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर देश का विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। हालांकि, चुनाव हारने पर विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने का सिलसिला पुराना है। लेकिन पिछले कुछ सालों में भारत का चुनाव आयोग विश्वसनीयता की कसौटी पर खरा नहीं उतर पा रहा है। जिसकी तपिश भारतीय लोकतंत्र की साख पर भी पड़ती है। निस्संदेह, चुनाव आयोग का दायित्व लोकतंत्र में पारदर्शी चुनाव कराना और नागरिकों के वोट देने के महत्वपूर्ण अधिकार की रक्षा करना होता है। लेकिन पिछले कुछ समय से इस संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता को विवादित 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' यानी एसआईआर से जुड़ी विसंगतियों ने भारी ठेस पहुंचायी है। हाल ही में दिल्ली के एक अंग्रेजी अखबार की पड़ताल में पता चला है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने अक्तूबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच कम से कम चौदह बार उन फैसलों पर आपत्ति जताई, जो उनकी जानकारी में लाए बगैर लिये गए थे। सूत्रों के मुताबिक इन दो चुनाव आयुक्तों की चिंताओं में फॉर्म-6 में बदलाव, वोटर लिस्ट डेटाबेस का सेंट्रलाइजेशन, फील्ड अधिकारियों की इस तक सीमित पहुंच और वोटरों के नाम हटाने की प्रक्रिया शामिल थी। निस्संदेह, इस प्रकरण से मुख्य चुनाव आयुक्त की स्थिति असहज हो गई है। इसके बाद अक्सर चुनाव आयोग पर हमलावर रहा, कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष और ज्यादा हमलावर हो गया है। विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग कर रहा है। भारतीय लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया का संचालन करने वाली संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग के चुनाव आयुक्तों के बीच उजागर हुए इस मतभेद को प्रशासनिक छोटी-मोटी बात कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ये प्रकरण चुनाव की विश्वसनीयता और जवाबदेही के मूल मुद्दे से जुड़ा है। वोटर रजिस्ट्रेशन को आसान बनाने के लिये बने फॉर्म-6 में, रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टर्स रूल्स-1960 में कानूनी रूप से सही तरीके से संशोधन किए बिना बदलाव कर दिए गए। इन बदलावों के चलते नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है।

> "नस्संदेह, चुनाव आयोग का दायित्व लोकतंत्र में पारदर्शी चुनाव कराना और नागरिकों के वोट देने के महत्वपूर्ण अधिकार की रक्षा करना होता है। लेकिन पिछले कुछ समय से इस संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता को विवादित 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' यानी एसआईआर से जुड़ी विसंगतियों ने भारी ठेस पहुंचायी है। हाल ही में दिल्ली के एक अंग्रेजी अखबार की पड़ताल में पता चला है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने अक्तूबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच कम से कम चौदह बार उन फैसलों पर आपत्ति जताई, जो उनकी जानकारी में लाए बगैर लिये गए थे।

विडंबना यह है कि जो फॉर्म-6 वोटर रजिस्ट्रेशन को आसान बनाने के लिये बना था, उसे बेहद जटिल बना दिया गया। जिसमें यह जानकारी देनी अनिवार्य कर दी गई कि क्या वोटर के माता-पिता का नाम पिछली एसआईआर सूची में शामिल था। उल्लेखनीय है कि एसआईआर की जटिलता को महसूस करते हुए पिछले बार की प्रक्रिया की जिम्मेदारी चुनाव आयोग के कर्मचारियों ने निभायी थी। लेकिन इस बार यह जवाबदेही वोटरों के सिर पर डाल दी गई। एक सामान्य मतदाता कैसे याद रखे कि करीब चौथाई सदी पहले उसने या उसके माता-पिता ने किस बूथ पर वोट डाला था। इस संबंध में जानकारी जुटाने के लिये लोग दर-दर की ठोकरें खाते रहे हैं। इस जानकारी से मैपिंग न हो पाने के कारण पूरे देश में करोड़ों मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से निकाल दिए गए। पश्चिम बंगाल में, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से लाखों नाम हटाने पर नागरिकों व विपक्ष ने कड़ा प्रतिरोध किया। अब तक तय की गई दस में से नौ अपीलों में वोट बहाल होने की रिपोर्ट से पता चलता है कि विसंगतियों को जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था। इस समस्या का समाधान करने की प्रक्रिया की कछुआ चाल का पता इस बात से चलता है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त ट्रिब्यूनल को बंगाल में लंबित 37 लाख अपीलों का निस्तारण करने में करीब बारह साल लग सकते हैं। भारतीय लोकतंत्र के हित में जरूरी है कि चुनाव आयोग को गोपनीयता का पर्दा अविलंब हटाना चाहिए। उसे संबंधित रिकॉर्ड प्रकाशित करने चाहिए। सही मायने में चुनाव आयोग को अपने निर्णय लेने की प्रक्रिया के बारे में पारदर्शी तरीके से बताना चाहिए। साथ ही चुनाव आयोग को अपने आयुक्तों द्वारा उठाये गए हर अहम सवाल का जवाब भी देना चाहिए। चुनाव आयोग का नैतिक दायित्व है कि वह सरकार के बजाय नागरिकों के हितों के प्रति जवाबदेह हो। आयोग का फर्ज है कि वह स्पष्ट जवाब देश के नागरिकों को दे। साथ ही हर भारतीय को एक ऐसा चुनावी सिस्टम दे, जो समावेशी और नागरिकों की सुविधा के अनुकूल हो।

बिना दिल मिले हाथ मिलाने की कूटनीति

पुष्परंजन

शी के साथ हुई ट्रंप की मुलाकात का शायद ही कोई ठोस नतीजा निकले। पहले कार्यकाल में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ उनकी हाई-प्रोफ़ाइल मुलाकात और अलास्का में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई मुलाकात में तस्वीरों के अलावा कुछ ख़ास हासिल नहीं हुआ; इन तस्वीरों में वे उन मज़बूत नेताओं के साथ दिखते हैं, जिन्हें वे शायद ही पसंद करते हों।

चीन और अमेरिका के बीच अभी सब कुछ मीठा-मीठा गप-गप चल रहा है। चीनी राष्ट्रपति शी का स्वागत लाजवाब था। ट्रंप खुद उनसे मिलने मिलिट्री एयरस्ट्रिप पर पहुंचे। यह प्रोटोकॉल से हटकर एक ख़ास क़दम था। ऐसी आवभगत शी ने अमेरिकी राष्ट्रपति की पेइचिंग यात्रा के दौरान नहीं की थी। चीनी मीडिया फूले नहीं समा रहा है। ग्लोबल टाइम्स का संपादकीय है, 'दोनों नेता रणनीतिक स्थिरता वाले चीन-अमेरिका संबंध बनाने की नई सोच पर सहमत हुए। उन्होंने अगले तीन वर्षों और उसके बाद के लिए चीन-अमेरिका संबंधों को रणनीतिक दिशा दी, जिसका दोनों देशों की जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने व्यापक रूप से स्वागत किया है।' सोचिए, ऐसे संपादकीय से पुतिन पर क्या गुज़र रही होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति आमतौर पर किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का स्वागत करने एयरपोर्ट नहीं जाते हैं। यह बहुत दुर्लभ है। 11 अक्तूबर, 1949 को वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट पर तत्कालीन राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रूमैन ने हमारे प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का स्वागत किया था। इस तरह का एयरपोर्ट स्वागत 1962 के बाद बेहद चुनिंदा मौकों पर ही देखने को मिला है। पीएम मोदी तक को पंडित नेहरू और शी जैसा सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ है।

जब जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने मार्च, 2026 में पहली बार वॉशिंगटन का दौरा किया, तो ट्रंप के साथ बातचीत के लिए व्हाइट हाउस जाने से पहले, जॉइंट बेस एंड्रयूज़ पर अमेरिकी वायु सेना के कर्नल गैरी चारलैंड ने उनका स्वागत किया था। इस हफ़्ते, वॉशिंगटन में शी के आगमन से एक दिन पहले, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान तकाइची फिर से ट्रंप से मिलीं। चीनी मीडिया का कटाक्ष था कि जापानी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया—लेकिन वहां कोई रेड कार्पेट, प्रोटोकॉल डेलिगेशन या अमेरिकी अधिकारी मौजूद नहीं थे।

बुधवार को वॉशिंगटन में शी के ग्रैंड वेलकम की ख़बर चीनी सरकारी मीडिया की सुर्खियों में थी। ट्रंप द्वारा चीनी नेता का रेड-कार्पेट स्वागत करते हुए तस्वीरें और फुटेज दिखाए गए। एयरबेस पर गार्ड ऑफ़ ऑनर, मिलिट्री बैंड, 21-गन सैल्यूट और जेट फ़्लाईपास्ट शामिल थे। इसके उलट, अमेरिकी मीडिया में शी के आगमन की कवरेज उतनी ज़्यादा नहीं थी, क्योंकि बड़े टेलीविज़न नेटवर्क का व्हाइट हाउस के साथ गतिरोध चल रहा है। व्हाइट हाउस पूल में शामिल नेटवर्क—जिनमें एबीसी, सीबीएस, सीएनएन, फॉक्स न्यूज़ और एनबीसी शामिल हैं—ने प्रशासन द्वारा सीएनएन समेत कई मीडिया आउटलेट्स पर लगाए गए प्रतिबंध के विरोध में ट्रंप के सार्वजनिक कार्यक्रमों की कवरेज का बहिष्कार किया है।

अमेरिकी थिंक टैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि यह शिखर बैठक मुख्य रूप से कूटनीतिक दिखावे तक ही सीमित रहेगी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बुधवार को कहा कि बुसान समझौते की नवंबर वाली समय-सीमा को बढ़ाकर 10 जनवरी, 2027 कर दिया जाएगा। यह व्यापारिक युद्धविराम अक्तूबर-नवंबर, 2025 में दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित एक शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच तय हुआ था। बुसान समझौते की अवधि 10 नवंबर, 2026 को समाप्त होने वाली थी। फिर भी, यह बात सभी मानते हैं कि यह शिखर सम्मेलन दोनों पक्षों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसका विफल होना ठीक नहीं होगा।

3 नवंबर, 2026 को अमेरिका में मध्यावधि चुनाव हैं। कमेटी ऑफ 100 के एक सर्वे से पता चलता है कि 54 प्रतिशत चीनी-अमेरिकी खुद को डेमोक्रेट और 28 प्रतिशत रिपब्लिकन मानते हैं। शी की यात्रा इसलिए भी मायने रखती है। रिपब्लिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान होने वाले इन मध्यावधि चुनावों में, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और सीनेट की 100 में से 35 सीटों पर चुनाव होंगे, जिससे 120वीं अमेरिकी कांग्रेस का चयन होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इसलिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में ईरान से रफ़ाक़त (मेलजोल) या मिटा देने की अदावत—दोनों ही मंशा—स्पष्ट कर दी।

लेकिन, ईरान से पीस डील में पाकिस्तान का प्रयास एक 'फेल्ड स्टोरी' माना जाएगा। पाकिस्तान ऐतिहासिक रूप से सऊदी अरब और अमेरिका के करीब रहा है, जो ईरान के प्रतिद्वंद्वी हैं। इस बाहरी भू-राजनीतिक दबाव के कारण पाकिस्तान कभी भी ईरान के साथ खुलकर मज़बूत रिश्ते नहीं बना पाया। यह भी विचार करने वाली बात है कि दिल्ली में हुए ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के बीच दिखी गर्मजोशी ने क्षेत्रीय कूटनीति में पाकिस्तान के रणनीतिक प्रभाव को काफी हद तक सीमित कर दिया है। लेकिन, यूएन में ट्रंप के भाषण का दूसरा पहलू वो दावेदारी है कि भारत-पाक के बीच युद्धविराम उनके समझाने-धमकाने की वजह से हुआ। इसे भारत को स्पष्ट कर देना चाहिए।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस बार संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में भाग नहीं ले रहे हैं। शी की यह राजकीय यात्रा, राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन और सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचेव के बीच हुई उन बैठकों जैसी नहीं है, जिन्होंने शीतयुद्ध को शांतिपूर्ण अंत की ओर मोड़ा था। एक बात तो समझ लीजिए कि इस यात्रा के बाद मानवता की सुरक्षा के लिए कोई ऐसा समझौता होने की उम्मीद नहीं है, जो 1980 के दशक में परमाणु हथियारों में कटौती के समझौते जैसा हो। आज के समय में, ऐसे कदमों में एआई के ख़तरनाक स्तर तक विकास पर रोक लगाना, या सुरक्षा बढ़ाने के लिए अमेरिका और चीन का एक-दूसरे को अपने टेक उद्योगों के बारे में जानकारी देना शामिल हो सकता है। पूरी दुनिया जब यह देख रही है कि अमेरिका और चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में बढ़त हासिल करने की होड़ में लगे हैं, तो क्या ऐसा संभव है?

ईरान के साथ युद्ध के खतरे के बीच ट्रंप की गिरती लोकप्रियता उनके ग्लोबल दबदबे को कम कर सकती है। उन्हें पिछले साल पता चला था कि अमेरिका को रेयर अर्थ मिनरल्स का एक्सपोर्ट रोकने की चीन की धमकियां उनके ट्रेड से जुड़े आक्रामक कदमों को नाकाम कर सकती हैं। ट्रंप से उलट, शी को अपने से नाराज़ वोटरों की परवाह नहीं होती। ट्रंप के मामले में निष्पक्षता से कहें तो, ज़्यादातर ग्लोबल समिट में उनके दिए बयानों को लोग गंभीरता से नहीं लेते।

यही एक वजह है कि इस हफ़्ते शी के साथ होने वाली मुलाकातों से शायद ही कोई ठोस नतीजा निकले। अपने पहले कार्यकाल में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ उनकी हाई-प्रोफ़ाइल मुलाकातें और पिछले साल अलास्का में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई मुलाकात को ध्यान से देखिए, तो तस्वीरों के अलावा कुछ ख़ास हासिल नहीं हुआ; इन तस्वीरों में वे उन मज़बूत नेताओं के साथ दिखते हैं, जिन्हें वे शायद ही पसंद करते हों।

लेखक जियोपॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

पॉकेट वीटो पर रोक से संरक्षित संविधान की मर्यादा

डॉ. सुधिर कुमार

सुप्रीम कोर्ट ने अपने अहम फैसले के जरिए 'पॉकेट वीटो' पर रोक लगा दी है। अनुच्छेद 200 की व्याख्या करते हुए स्पष्ट किया कि विधेयकों को अनिश्चितकाल के लिए रोक लेना राज्यपाल का विशेषाधिकार नहीं है बल्कि समयबद्ध निर्णय लेना उनका पवित्र संवैधानिक दायित्व है।

भारत का संविधान केवल अनुच्छेदों और धाराओं का एक संग्रह मात्र नहीं, बल्कि एक जीवंत दस्तावेज है जो देश की लोकतांत्रिक आत्मा को दिशा देता है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में, जनता द्वारा चुनी गई सरकार और संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के बीच सामंजस्य होना बुनियादी शर्त है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, भारत के कई राज्यों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति सामने आई - चुनी हुई राज्य विधानसभाओं और राजभवन के बीच निरंतर टकराव। यह तब अधिक मुखर हो जाता है जब विधानसभाओं द्वारा जनहित में पारित किए विधेयक राजभवन में जाकर महीनों, या कभी-कभी सालों तक, धूल फांकते रहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 'पंजाब और तमिलनाडु राज्य बनाम राज्यपाल' (2023) मामलों में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए राज्यपालों के 'पॉकेट वीटो' पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने अनुच्छेद 200 की व्याख्या करते हुए स्पष्ट किया कि मनोनीत राज्यपाल द्वारा चुनी हुई विधानसभा के विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोके रखना संवैधानिक मर्यादा के खिलाफ है। इस अहम फैसले ने न केवल संसदीय लोकतंत्र को मजबूत किया है बल्कि विधायिका और राजभवन के बीच शक्तियों का संतुलन भी फिर से स्थापित किया।

विवाद की जड़ अनुच्छेद 200 और 'पॉकेट वीटो' के भ्रम में छिपी है। संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत, जब विधानसभा कोई विधेयक पारित कर राज्यपाल की सहमति के लिए भेजती है, तो उनके पास मुख्यतया चार विकल्प होते हैं : सहमति देना, सहमति रोकना, सुझावों के साथ विधानसभा को पुनर्विचार के लिए वापस भेजना, या कुछ विशिष्ट मामलों में इसे राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखना। संविधान में प्रावधान है कि यदि राज्यपाल विधेयक को पुनर्विचार के लिए लौटाना चाहते हैं, तो यह कार्य 'यथाशीघ्र' होना चाहिए, लेकिन इसके लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की गई है।

इसी भाषाई लचीलेपन का फायदा उठाते हुए कई राज्यपाल विधेयकों पर न तो सहमति देते हैं और न ही उन्हें लौटाते हैं, बल्कि अनिश्चितकाल के लिए अपने पास रख लेते हैं, जिसे राजनीति की भाषा में 'पॉकेट वीटो' कहा जाता है। इस समस्या पर सुप्रीम कोर्ट ने संविधान की भावना स्पष्ट करते हुए कहा है कि 'यथाशीघ्र' का अर्थ अनंत काल नहीं हो सकता।

संविधान निर्माताओं की मंशा के अनुसार राज्यपाल का पद एक मार्गदर्शक और संवैधानिक प्रमुख का है, न कि समानांतर सरकार चलाने वाले का। किसी विधेयक पर निर्णय लेने में जानबूझकर की गई देरी न केवल जनादेश का अनादर है, बल्कि इससे राज्य का विकास और लोक-कल्याण भी बाधित होता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी यह बात रेखांकित की है कि एक गैर-निर्वाचित व्यक्ति (राज्यपाल) जनता द्वारा चुनी गई विधायिका की कानून बनाने की संवैधानिक शक्ति पर हावी नहीं हो सकता।

इस मामले का एक और कानूनी पहलू है— शक्तियों का पृथक्करण। लोकतंत्र में कार्यपालिका (सरकार), विधायिका (संसद/विधानसभा) और न्यायपालिका (अदालतें) के अपने-अपने अधिकार क्षेत्र हैं। अदालतें आम तौर पर राज्यपालों या राष्ट्रपति को यह निर्देश नहीं देतीं कि उन्हें क्या करना चाहिए, क्योंकि अनुच्छेद 361 उन्हें उनके पद के कर्तव्यों के निर्वहन में अदालतों के प्रति जवाबदेही से छूट देता है। तो फिर सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दखल क्यों दिया? यहां न्यायालय ने एक बहुत ही संतुलित और परिपक्व कानूनी सिद्धांत का उपयोग किया, जिसे 'सीमित परमादेश' कहा जा सकता है। परमादेश एक रिट है जिसके जरिए अदालत किसी भी सरकारी अधिकारी को अपना काम करने का आदेश देती है।

अदालत ने यह नहीं कहा कि राज्यपाल किसी विधेयक पर 'क्या' फैसला लें। यह भी नहीं कि वे बिल पर हस्ताक्षर करें ही। बल्कि, अदालत ने केवल इतना कहा कि राज्यपाल को 'कुछ न कुछ' फैसला तो लेना ही होगा। वह फाइल दबाकर नहीं बैठ सकते। यह शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का बेहतरीन सम्मान है। न्यायपालिका ने राज्यपाल के 'निर्णय न लेने की जिद' को असंवैधानिक ठहराया।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सहकारी संघवाद और राज्य विधायिका की स्वायत्तता पर इसके दूरगामी प्रभाव को रेखांकित करता है। 'पॉकेट वीटो' के जरिए राज्यों के कामकाज में अड़चनें डालना सहकारी संघवाद की भावना पर प्रहार था। अनुच्छेद 200 के तहत, यदि विधानसभा किसी विधेयक को पुनर्विचार के बाद दोबारा पारित करके भेजती है, तो राज्यपाल उस पर सहमति देने के लिए बाध्य हैं। सर्वोच्च न्यायालय के इस ऐतिहासिक निर्णय ने 'पॉकेट वीटो' रूपी पिछले दरवाजे को बंद कर दिया।

यह ऐतिहासिक फैसला भारतीय लोकतंत्र, संवैधानिक मर्यादा और 'संवैधानिक नैतिकता' को पुनर्स्थापित करने वाला सशक्त संदेश है। यानी कोई भी पद संविधान से ऊपर नहीं और राजभवन की भूमिका प्रतिपक्षी की नहीं, बल्कि एक अभिभावक और संवैधानिक रक्षक की हो; वहीं सरकार से भी राजभवन के पद की गरिमा बनाए रखने की अपेक्षा की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने तय कर दिया है कि विधेयकों पर अनिश्चितकाल के लिए बैठकर 'पॉकेट वीटो' का प्रयोग करना राज्यपाल का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समयबद्ध निर्णय लेना उनका पवित्र संवैधानिक दायित्व है।

लेखक कुरुक्षेत्र वि.वि. के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

टैरिफ मसले पर चीन के बजाय हमारे पास विकल्प सीमित हैं

मनोज जोशी

डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने संबंधी ग्राहम बिल पर हस्ताक्षर कर उसे कानूनी रूप दे दिया है। इसके तहत रूस से तेल आयात करने वाले या प्रतिबंधों से बचने में उसकी मदद करने वाले चीन और भारत जैसे देशों पर 100% तक टैरिफ लगाया जा सकता है। यह कानून 30 दिन में प्रभावी हो जाएगा और संबंधित देशों को इसका पालन करने के लिए 180 दिन का समय दिया गया है।

कानून में राष्ट्रपति को यह तय करने के अधिकार दिए गए हैं कि किन देशों पर टैरिफ लगाया जाए, दर कितनी हो और यहां तक कि वे टैरिफसे छूट भी दे सकते हैं। लेकिन ट्रम्प पर पड़ रहे राजनीतिक दबावों को देखते हुए सबसे खराब स्थिति के लिए तैयारी करना ही बेहतर होगा। अमेरिका में भारतीय निर्यात पर फिर-से भारी टैरिफ लगाए जाने का असर हमारी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों पर भी पड़ेगा।

भारत की आधिकारिक प्रतिक्रिया में कहा गया कि भारत अपने नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और बदलती बाजार स्थितियों के अनुसार वह अलग-अलग स्रोतों के जरिए ऐसा करता रहेगा। इस मुद्दे पर अमेरिकी अधिकारियों के साथ हुई चर्चा में भारत की ओर से न सिर्फ द्विपक्षीय संबंधों पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर भी इसके संभावित प्रभावों को रख दिया गया है।

विविध स्रोतों से तेल खरीदने की बात के बावजूद हकीकत यह है कि पिछले एक साल में भारत अपनी तेल जरूरतों की 30% से 52% तक खरीद रूस से करता रहा है। अगस्त में भारत ने 85 लाख टन तेल खरीदा, जिसकी कीमत 4.7 अरब डॉलर थी। वहीं जुलाई में भारत ने रिकॉर्ड 110.4 लाख टन तेल खरीदा, जिसकी कीमत 7.3 अरब डॉलर थी।

इसलिए इसे कैसे भी देखा जाए, रूसी तेल से दूरी बनाने का फैसला भारत के लिए भारी पड़ेगा। अमेरिका के साथ हमारे इतिहास को देखते हुए जनता के लिए बेहतर होगा कि वह सरकार के इस बेबाक रुख को थोड़ी सावधानी से देखे। क्योंकि, बीते एक दशक में हमारी सरकार तेल के मामले में कई बार अमेरिकी दबाव के आगे नरम पड़ चुकी है।

2016-17 में भारत की कुल तेल खरीद का 6.7% तेल वेनेजुएला से आता था। लेकिन 2019 में ट्रम्प ने वेनेजुएला पर प्रतिबंध लगा दिए और 2021-22 तक यह आयात समाप्त हो गया। ईरान के मामले में अनुभव इससे भी बड़ा था। नवंबर 2018 में अमेरिका द्वारा 'मैक्सिमम प्रेशर' पॉलिसी के तहत प्रतिबंध लगाए जाने से पहले ईरान भारत की तेल जरूरतों का करीब 10त्न हिस्सा आपूर्ति करता था। लेकिन प्रतिबंधों के बाद भारत ने ईरान से तेल खरीद में कटौती की और 2020-21 तक यह आयात शून्य हो गया। मार्च से जून 2026 के बीच अमेरिका ने सीमित अवधि के लिए ईरानी तेल का आयात मंजूर किया तो भारत के तेल आयात में ईरान की हिस्सेदारी बढ़कर 1.1त्न हो गई।

यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूसी तेल का बड़ा आयातक नहीं था। यूक्रेन पर रूस के हमले और रूस पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद तेल कीमतों में उछाल आया और भारत को ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए रूस का रुख करना पड़ा। रूस ने भी तेल कीमतों में भारी छूट दी और अंतरराष्ट्रीय कीमतों को काबू में रखने के लिए पश्चिमी देशों ने भी चुपचाप भारत द्वारा की जा रही रूसी तेल की खरीद को प्रोत्साहित किया। लेकिन अगस्त 2025 में ट्रम्प ने रूसी तेल आयात करने के कारण भारत पर टैरिफ25% से बढ़ाकर 50% कर दिया तो भारत ने धीरे-धीरे रूस से तेल आयात कम करना शुरू किया।

परंतु इस साल फरवरी में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प टैरिफको खारिज कर दिया और भारत की रूसी तेल की खरीद फिर बढ़ने लगी। इस स्थिति से निपटने के मामले में चीन की तुलना में भारत के पास विकल्प सीमित हैं। बीजिंग के पास रेयर अर्थ और मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने जैसा मजबूत हथियार है, जिसका असर अमेरिका में ईवी, रोबोटिक्स और रक्षा क्षेत्रों पर पड़ सकता है। इसके अलावा, चीन अमेरिका को दवाएं बनाने के लिए जरूरी 70% से अधिक एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट्स की सप्लाई भी करता है। ऐसे ही कई अन्य उत्पादों की सप्लाई भी की जाती है।

इतिहास को देखते हुए जनता के लिए बेहतर होगा कि वह सरकार के इस बेबाक रुख को थोड़ी सावधानी से देखे। क्योंकि, बीते एक दशक में हमारी सरकार तेल के मामले में कई बार अमेरिकी दबाव के आगे नरम पड़ चुकी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

शुभ के चिंतन में शुभचिंतक की चिंता साधना

आपकी लोकप्रियता भी शुभचिंतक के हीमोग्लोबिन स्तर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आप जितने लोकप्रिय होते जाते हैं, उसकी मुस्कान उतनी ही कृत्रिम और चिंता उतनी ही प्राकृतिक होती जाती है। एक दौर था, जब दूसरे के शुभ, भले या हित के लिए चिंता करने वाले को शुभचिंतक माना जाता था।

समय बदला, समाज बदला और सिचुएशन के साथ शुभचिंतक भी बदल गए। नाम आज भी वही है, लेकिन अर्थ और आशय ने करवट ले ली है। आपके शुभ अर्थात हित पर जिनकी चिंता बढ़ जाए, वो ही शुभचिंतक की श्रेणी में जाने जाते हैं। यह और बात है कि चिंतित होने वाले ऐसे शुभचिंतक कभी-कभी स्वयं ही चिंता का विषय बन जाते हैं।

शुभचिंतक नर और मादा, किसी भी जीवित स्वरूप में हो सकता है। वह किसी भी लिंग, जाति या धर्म का हो सकता है। रिश्तेदार हो सकता है, पड़ोसी हो सकता है, सहकर्मी हो सकता है और कभी-कभी ऐसा अपरिचित भी हो सकता है, जिसे आपके जीवन की चिंता आपसे अधिक होती है।

आपके घर में शुभ समाचार आए, धन-लाभ हो, सम्मान मिले, कोई उपलब्धि हासिल हो या घर में किसी शुभागमन की तैयारी हो, प्रत्येक स्थिति शुभचिंतक के लिए चिंता का विषय बन जाती है। मन में खटास, गले में बधाई और मुंह में मिठाई—यानी खटाई, बधाई और मिठाई की इस त्रयी पैकेज का कॉपीराइट अब सिर्फ शुभचिंतकों के पास ही सुरक्षित है।

सहकर्मी शुभचिंतक हो तो आपकी कार्यशैली, पदोन्नति और वरिष्ठ अधिकारियों का आपके प्रति स्नेह उसके आंतरिक तापमान को लगातार बढ़ाता रहता है। अलग बात है कि स्वयं को सामान्य रखने की साधना में कुशल वह ऐसा प्रदर्शित करता है, मानो आपकी सफलता से अधिक प्रसन्न इस संसार में कोई दूसरा हो ही नहीं सकता।

आपकी लोकप्रियता भी शुभचिंतक के हीमोग्लोबिन स्तर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आप जितने लोकप्रिय होते जाते हैं, उसकी मुस्कान उतनी ही कृत्रिम और चिंता उतनी ही प्राकृतिक होती जाती है।

मित्रों की उन्नति पर जलन के बावजूद बनावटी मुस्कान के साथ 'बहुत बढ़िया' कहने की कला में शुभचिंतक पारंगत होते हैं। वे आपके साथ न होकर भी सदैव आपके साथ होने का अहसास कराते हैं।

शुभचिंतक का एक पर्याय हितैषी यानी आपके हित की इच्छा रखने वाला है। लेकिन आजकल हितैषियों का उद्देश्य भी हित की ऐसी-तैसी करना रह गया है।

कुल मिलाकर, शुभचिंतक आपके शुभ की चिंता कम और आपके शुभ होने पर चिंता अधिक करते हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

जैन समाज में आपसी समन्वय और एकता मजबूत करने दो प्रतिनिधि नियुक्त

भिलाई। दिगम्बर जैन समाज, भिलाई के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा संगठनों के बीच आपसी समन्वय, सहयोग, संवाद और सौहार्द्र को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से श्रावक श्रेष्ठ राजीव जैन एवं ज्ञानचंद जैन, सेक्टर–10 भिलाई को 'जैन ट्रस्ट एवं जैन मिलन' की ओर से समन्वय प्रवक्ता एवं प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। यह जानकारी जैन ट्रस्ट के महासचिव डॉ. सुधीर गागेय ने दी।

नियुक्त दोनों प्रतिनिधि समाज के विभिन्न संगठनों, संस्थाओं एवं सम्माननीय सदस्यों के बीच संवाद स्थापित करने के साथ आपसी विचार–विमर्श और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने का कार्य करेंगे। साथ ही विभिन्न संगठनों के बीच किसी भी प्रकार के मतभेद की स्थिति में संवाद एवं सहमति के माध्यम से समाधान का प्रयास किया जाएगा। डॉ. सुधीर गागेय ने बताया कि दोनों प्रतिनिधि अपने व्यावहारिक अनुभव, सामाजिक समझ, व्यवहार–कौशल एवं सकारात्मक प्रयासों के माध्यम से समाजहित में सभी संगठनों एवं सदस्यों को एकजुट करने की दिशा में कार्य करेंगे। उनकी भूमिका किसी संस्था या संगठन के कार्यों में हस्तक्षेप करने की नहीं, बल्कि समन्वयक के रूप में सभी संगठनों को परस्पर सम्मान, सहयोग और विश्वास के साथ जोड़ने की होगी।

आरंभ की ओर से इंद्रधनुष-2026 और बैठक 27 को

भिलाई। प्रगतिशील जन–विचारधारा की साहित्यिक संस्था 'आरंभ' साहित्य समिति के बैनर तले हिंदी पखवाड़े के उपलक्ष्य में विशेष साहित्यिक कार्यक्रम 'इंद्रधनुष' (रंग हैं अनेक, भाव है एक) का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 27 सितंबर रविवार को भिलाई निवास के इंडियन कॉफी हाउस सभागार में सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित होगा। इसी के साथ संस्था की 10वीं सांगठनिक बैठक भी संपन्न होगी। साहित्यिक कार्यक्रम 'इंद्रधनुष' के इस आयोजन में 'आरंभ' के सुधी रचनाकार सदस्य कविता, लघुकथा, गीत, ग़ज़ल, व्यंग्य, कहानी एवं रुबाई–दोहा–मुक्तक आदि विभिन्न विधाओं में अपनी 3 से 4 मिनट की प्रस्तुति देंगे। अध्यक्षता: आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा करेंगे। मुख्य अतिथि जाने–माने शिक्षाविद प्रो. डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा और अतिथि वक्ता व्यंग्यकार विनोद साव होंगे। विषय प्रवर्तन तारकनाथ चौधुरी करेंगे। मुख्य संचालन राकेश गुप्ता 'रुसिया' करेंगे। काव्य पाठ संचालन शायरा नुरूस्सबाह खान 'सबा' करेंगी। सरस्वती वंदना सस्वर संध्या साटकर करेंगी। स्वागत उद्बोधन प्रदीप भट्टाचार्य करेंगे और आभार प्रदर्शन अमृता मिश्रा करेंगी।

कृष्णा कुंज रिसाली में 76 पौधों का रोपण, विधायक ललित चंद्राकर ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम का आयोजन रिसाली भाजपा मंडल द्वारा कृष्णा कुंज, सेक्टर वार्ड–09 में किया गया। कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ कृष्णा कुंज परिसर में 76 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम में विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा और समर्पण के रूप में मनाते हुए भाजपा कार्यकर्ता समाजहित के विभिन्न कार्यों में सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण और स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर निभाया जाने वाला सामाजिक दायित्व है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के साथ अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए।

दुर्ग नगर निगम की महापौर अल्का बाघमार ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा की भावना पहुंचाना है। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता जैसे कार्य समाज तथा आने वाली पीढ़ियों के हित से सीधे जुड़े हुए हैं। उन्होंने नागरिकों और कार्यकर्ताओं से ऐसे जनहितकारी अभियानों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान कृष्णा कुंज परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की गई। इसके पश्चात 76 पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, मरोदा–पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य माया बेलचंदन, जिला मंत्री शैलेन्द्र सेंडे, सांसद प्रतिनिधि दीपक 'पप्पू' चंद्राकर, महामंत्री पुनाराम कलिहारी, दशरथ साहू, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शीखा तिवारी, समाजसेवी सोनू राम सिंग, पूरेन्द्र साहू, अजीत चौधरी सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं निगम कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जी-राम-जी से गांवों में विकास को नई रफ्तार

रोजगार के साथ जल संरक्षण और स्थायी परिसंपत्तियों पर जोर, एसएनए से 4810.11 लाख रुपये मजदूरी का भुगतान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) अर्थात जी–राम–जी के तहत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, जल संरक्षण और ग्रामीण विकास के कार्यों को नई गति मिली है। योजना के अंतर्गत मजदूरी भुगतान की प्रक्रिया को एसएनए (सिंगल नोडल अकाउंट) के माध्यम से समयबद्ध और पारदर्शी बनाया गया है। जिले में अब तक 4810.11 लाख रुपये की मजदूरी राशि का भुगतान किया जा चुका है। यह राशि सीधे मजदूरों के बैंक अथवा डाकघर खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी जा रही है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को एक वर्ष में 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी मिलेगी। ग्रामीण परिवार ग्राम पंचायत के माध्यम से रोजगार की मांग कर सकते हैं तथा मांग के 15 दिनों के भीतर रोजगार उपलब्ध कराना अनिवार्य है। मजदूरी भुगतान समय पर सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक लगातार निगरानी की जा रही है।

जी–राम–जी के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ–साथ गांवों की आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इनमें बालिका शौचालय निर्माण, आंगनबाड़ी भवन निर्माण, स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, वृक्षारोपण, कच्ची नाली निर्माण, तालाब निर्माण एवं तालाब गहरीकरण सहित जल संरक्षण और ग्रामीण अधोसंरचना से जुड़े कार्य शामिल हैं। इन कार्यों से एक ओर ग्रामीण परिवारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर गांवों में आवश्यक सुविधाओं और स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण भी हो रहा है।

जी–राम–जी के तहत जनपद पंचायत पाटन में 1766.72 लाख रुपये, धमधा में 1375.96 लाख रुपये और दुर्ग में 1579.60 लाख रुपये की मजदूरी राशि का भुगतान किया गया है। एसएनए के माध्यम से भुगतान होने से मजदूरों को राशि सीधे उनके खातों में प्राप्त हो रही है, जिससे भुगतान प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और सुविधाजनक बनी है।

जी–राम–जी लागू होने के बाद जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। योजना के तहत जिले में 866 निर्माण कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें जनपद पंचायत दुर्ग के 210, धमधा के 353 और पाटन के 303 कार्य शामिल हैं।

इन कार्यों का उद्देश्य केवल ग्रामीण परिवारों को मजदूरी आधारित रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि गांवों में ऐसी स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण करना भी है, जो आने वाले वर्षों में जल संरक्षण, आजीविका संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में उपयोगी साबित होंगी। तालाब निर्माण एवं गहरीकरण, नाला–नाली, डबरी और ट्रेंच जैसे कार्यों से वर्षा जल संचयन, भूजल संवर्धन और कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। वहीं बालिका शौचालय, आंगनबाड़ी भवन और स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष जैसे कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक सामाजिक अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी। वृक्षारोपण कार्यों से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले में जी–राम–जी के कार्यों की नियमित समीक्षा एवं निगरानी की जा रही है, ताकि स्वीकृत कार्य निर्धारित समय–सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण हों।

सेवा के संकल्प से लगे सपनों को पंख, दिव्यांग तोपसिंग को मिली बैटरी चालित ट्रायसायकल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। समाज के प्रत्येक वर्ग विशेषकर दिव्यांगजनों को सुलभ और पारदर्शी तरीके से शासकीय योजनाओं से जोड़कर सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित 'सेवा संकल्प' अभियान दुर्ग जिले में अत्यंत प्रभावकारी सिद्ध हो रहा है। प्रशासनिक तत्परता और त्वरित सेवा वितरण व्यवस्था के माध्यम से जरूरतमंद नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड व जिला दुर्ग के ग्राम पंचायत करंजा–भिलाई (वार्ड क्रं. 16) निवासी 80 प्रतिशत अस्थि बाधित दिव्यांग तोपसिंग साहू के जीवन में शासन की योजना ने आत्मनिर्भरता की नई किरण जगाई है।

तोपसिंग साहू ने बताया कि वे अपने परिवार के भरण–पोषण के लिए एक छोटा सा पान ठेला संचालित करते हैं। दिव्यांगता के कारण उन्हें अपनी दुकान तक आने–जाने में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता था और प्रतिदिन दूसरों की सहायता पर निर्भर रहना पड़ता था। सेवा संकल्प की मंशा के अनुरूप जब उन्हें समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सहायक उपकरण प्रदाय योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने विभाग से संपर्क किया। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें बैटरी चालित ट्रायसायकल प्रदान की गई। बैटरी चालित ट्रायसायकल मिलने के बाद तोपसिंग साहू की आवागमन संबंधी बड़ी समस्या दूर हो गई है। अब वे बिना किसी की सहायता के स्वयं ही अपनी दुकान तक आसानी से आ–जा रहे हैं, जिससे उनके समय की बचत हो रही है और व्यापार संचालन में भी सहूलियत आई है। पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनकर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त करते हुए तोपसिंग साहू ने इस सुगम व्यवस्था और त्वरित सहायता के लिए सरकार की संकल्प सेवा अभियान आधारित इस पहल की सरहना की और सहृदय आभार व्यक्त किया।

केलाबाड़ी वार्ड में नाली एवं सड़क निर्माण कार्यों का भूमि पूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 41 केलाबाड़ी में विभिन्न विकास कार्यों का आज भूमि पूजन किया गया। महापौर श्रीमती अलका बाघमार के निर्देश पर लोक कर्म विभाग प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने पार्षद रुबीना हमीद खोखर, एल्डरमेन गौरव शर्मा, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू,उप अभियन्ता भारती ठाकुर एवं वार्डवासियों की मौजूदगी में तीन विकास कार्यों का विधिवत भूमि पूजन किया।

इन कार्यों में दानी के घर से भैसासुर मंदिर तथा अशरफ्यिा स्कूल के पीछे से सोनी जी के घर से यादव के घर तक नाली एवं पुलिया निर्माण के लिए 8.25 लाख रुपये, रजा खोखर के घर के पास नाली एवं सड़क निर्माण के लिए 5 लाख रुपये तथा नया मस्जिद से फिरोज राठौर के घर तक नाली एवं सड़क निर्माण के लिए 9 लाख रुपये की लागत स्वीकृत है। इन तीनों कार्यों की कुल लागत 22.25 लाख रुपये है।

भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा कि वार्डों में नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण सहित आवश्यक विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इन कार्यों के पूर्ण होने से वार्डवासियों को आवागमन एवं जल निकासी की बेहतर सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा तथा निर्धारित समय–सीमा में कार्य पूर्ण कराने का प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर पार्षद रुबीना हमीद खोखर सहित वार्ड के नागरिकों ने विकास कार्यों की स्वीकृति एवं भूमि पूजन के लिए नगर निगम प्रशासन एवं लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर का आभार व्यक्त किया।

159 उद्यानों और पार्कों में पहुंची दुर्ग पुलिस, साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। साइबर अपराधों की रोकथाम और आम नागरिकों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दुर्ग जिले में 15 अगस्त से 02 अक्टूबर 2026 तक साइबर जागृति अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 24 सितंबर को दुर्ग पुलिस ने जिले के 159 उद्यान, पार्क एवं मैदानों में पहुंचकर मॉर्निंग वॉक करने वाले नागरिकों सहित विभिन्न सामाजिक एवं नागरिक समूहों के बीच साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार संचालित इस अभियान में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी, प्रशिक्षु उप निरीक्षक तथा विभिन्न थाना एवं पुलिस इकाइयों में पदस्थ अधिकारी–कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। पुलिस टीमों ने अपने–अपने क्षेत्रों में स्थित उद्यानों, पार्कों एवं मैदानों में पहुंचकर नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद किया और उन्हें साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए।

पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों को ऑनलाइन ठगी, संदिग्ध फोन कॉल एवं लिंक, फर्जी मैसेज, ह्ज्ञक्क क्क्ुह, पासवर्ड तथा बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने की सलाह दी। साथ ही सुरक्षित डिजिटल लेन–देन के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी देते हुए किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में ऐप डाउनलोड करने अथवा संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने के लिए समझाइश दी गई।

अभियान के दौरान वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं, मॉर्निंग वॉक करने वाले लोगों तथा विभिन्न सामाजिक और नागरिक समूहों को साइबर अपराधों की रोकथाम में व्यक्तिगत सतर्कता के महत्व से अवगत कराया गया। पुलिस ने लोगों से कहा कि साइबर अपराधों से बचाव के लिए स्वयं जागरूक रहने के साथ परिवार और परिचितों को भी जागरूक करें।

साइबर जागृति अभियान के तहत पुलिस कार्यालय और थाना स्तर तक सीमित रहने के बजाय पुलिस अधिकारी–कर्मचारी सीधे आम नागरिकों के बीच पहुंचकर साइबर सुरक्षा का संदेश दे रहे हैं। जिलेभर में आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान नागरिकों एवं विभिन्न समूहों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की तथा साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों के लिए पुलिस का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बीएसपी के शिक्षा विभाग द्वारा पीएम ट्रॉफी छात्रवृत्ति पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल– भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा 24 सितम्बर 2026 को महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर, भिलाई में प्रधानमंत्री ट्रॉफी छात्रवृत्ति पुरस्कार समारोह का आयोजन कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रधानमंत्री ट्रॉफी छात्रवृत्ति एवं सेल छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ व सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर–10 के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत ईएमएमएस, सेक्टर 6 के विद्यार्थियों द्वारा पौधे भेंट कर, स्वागत गीत के साथ किया गया।

समारोह में भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक (एम एस) रविशंकर, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रशांत ओझा, महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएं) ए.बी. श्रीनिवास, महाप्रबंधक प्रभारी (संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) अमूल्य प्रियदर्शी एवं महाप्रबंधक प्रभारी (एचआर–एल एंड डी) संजीव श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों एवं शालाओं के प्रमुख, मीडियाकर्मी, पुरस्कार विजेता विद्यार्थी तथा उनके अभिभावक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महाप्रबंधक (शिक्षा) श्रीमती शिखा दुबे ने स्वागत उद्बोधन में अतिथियों एवं पुरस्कार विजेताओं का अभिनंदन करते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित प्रधानमंत्री ट्रॉफी छात्रवृत्ति योजना के संबंध में जानकारी दी। इस योजना के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र को 11 बार प्राप्त प्रधानमंत्री ट्रॉफी की पुरस्कार राशि के अर्जित ब्याज से योग्य मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह छात्रवृत्ति योजना विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करने हेतु प्रोत्साहित करती है। उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस वर्ष सभी श्रेणियों में कुल 215 आवेदन प्राप्त हुए। चयनित 185 विद्यार्थियों में 102 छात्र एवं 83 छात्राएँ शामिल हैं, जिनमें 50 विद्यार्थी आरक्षित वर्ग से हैं। चयनित विद्यार्थियों में 84 इंजीनियरिंग, 51 मेडिकल, 8 स्नातकोत्तर तथा 42 अन्य पाठ्यक्रमों से संबंधित हैं। इस वर्ष छात्रवृत्ति के रूप में कुल 29.83 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई।

मुख्य अतिथि पवन कुमार ने छात्रवृत्ति के लिए चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए शिक्षा विभाग की सराहना की तथा विद्यार्थियों को दृढ़ निश्चय के साथ अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्तियाँ विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के साथ–साथ उन्हें अपनी शिक्षा के प्रति निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएं) ए.बी. श्रीनिवास ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री ट्रॉफी छात्रवृत्ति योजना विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रतिभा एवं उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भिलाई इस्पात संयंत्र की एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि यह योजना विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने के साथ–साथ उन्हें अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर परिश्रम एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

प्रधानमंत्री ट्रॉफी छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2004–05 में प्रारंभ की गई थी। प्रधानमंत्री ट्रॉफी छात्रवृत्ति एवं सेल छात्रवृत्ति भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों की संख्या के आधार पर प्रदान की जाती हैं। प्रधानमंत्री ट्रॉफी छात्रवृत्ति योजना के तहत चयनित छात्र–छात्राओं को तकनीकी एवं गैर–तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए वार्षिक छात्रवृत्ति के रूप में 11,000 रुपये प्रदान किए जाते हैं। इन छात्रवृत्तियों के लिए चयन 12वीं कक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाता है। सेल छात्रवृत्ति के अंतर्गत तकनीकी पाठ्यक्रम के लिए 3,000 रुपये तथा गैर–तकनीकी पाठ्यक्रम के लिए 1,800 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस श्रेणी में इस वर्ष एक विद्यार्थी का चयन हुआ है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि पोर्टल निरंतर चालू

रायपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनांतर्गत संचालित पोर्टल निरंतर चालू है। इसमें किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं है। महासमुंद जिले में 24 सितम्बर को इस योजना के तहत संचालित पोर्टल में दिक्कत की खबर सामने आई है, जो पूर्णत: निराधार है। गौरतलब है कि समय-समय पर पोर्टल में सुधार कार्य होने के कारण भारत सरकार द्वारा कुछ समय के लिये सर्वर डाउन की समस्या आती है। योजना के तहत ऐसे किसान पात्रता की श्रेणी में आते है जिनके नाम 01 फरवरी 2019 के पूर्व एवं मृत्यु के उपरांत भू-स्वामी कृषक ही योजनांतर्गत पात्र की श्रेणी में आते है। आपसी बंटवारा एवं नवीन भूमिधारक कृषक अपात्र की श्रेणी में आते है। वर्तमान में ईकेवाईसी का कार्य ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा व्हीएनओ आईडी से निरंतर शिविर के माध्यम से एवं डोर-टू-डोर किया जा रहा है।

रंग-बिरंगी दीवारों से आंगनबाड़ी बना बच्चों की पसंदीदा जगह

रायपुर। आंगनबाड़ी केंद्र की रंग-बिरंगी दीवारों पर बने आकर्षक चित्र नौनिहालों के लिए केवल सजावट नहीं, बल्कि केंद्र से जुड़ने और सीखने का माध्यम भी बन रहे हैं। बेहतर भवन, बाल-अनुकूल वातावरण और नियमित पौष्टिक आहार की सुविधा ने उदयपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत अड़हापारा रिखी के मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र की तस्वीर बदल दी है। नए केंद्र के आकर्षक परिवेश से बच्चों में आंगनबाड़ी आने का उत्साह बढ़ा है और पहले की तुलना में उनकी उपस्थिति में भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आई यह 'सेवा की कहानी' बताती है कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बेहतर आधारभूत सुविधाओं के साथ बच्चों की रुचि के अनुरूप वातावरण विकसित करने से पोषण, देखभाल और प्रारंभिक सीखने की सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। केंद्र की सहायिका वंदना सिंह बताती हैं कि नया मॉडल आंगनबाड़ी भवन बनने के बाद यहां का वातावरण पहले की तुलना में अधिक आकर्षक और बच्चों के अनुकूल हुआ है। दीवारों पर बनाए गए रंग-बिरंगे चित्र और पेंटिंग छोटे बच्चों का ध्यान सहज रूप से अपनी ओर खींचते हैं। बच्चे इन चित्रों को उत्सुकता से देखते हैं और इनके माध्यम से आसपास की चीजों को पहचानने और समझने का प्रयास करते हैं।

हॉकी लीग के लिए 28-29 सितम्बर को टीम सलेक्शन

रायपुर। रायपुर में होने वाले छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन के टीमों के चयन के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। टीमों के चयन के लिए रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम के पिच-1 में 28 सितम्बर और 29 सितम्बर को दो दिवसीय चयन ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है। चयन ट्रायल के सुचारू आयोजन, आवश्यक समन्वय एवं तकनीकी सहायता के लिए विभाग ने तीन अधिकारियों की टीम बनाई है। चयन ट्रायल के लिए आवश्यक तकनीकी एवं आयोजन संबंधी कार्यवाही छत्तीसगढ़ हॉकी संघ द्वारा निर्धारित नियमों एवं मापदंडों के अनुसार की जाएगी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक आकांक्षा शिक्षा खलखो ने छत्तीसगढ़ हॉकी संघ को परिपत्र जारी कर खिलाड़ियों के चयन ट्रायल के लिए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा है। विभाग ने निर्धारित तिथियों एवं समय पर चयन ट्रायल के आयोजन के साथ ही ट्रायल प्रारंभ होने के पहले चयन पूर्व मानदंडों और चयन प्रक्रिया का लिखित विवरण उपलब्ध कराने को कहा है।

युवा शक्ति विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री साय

सेवा संकल्प अभियान में बड़ी भूमिका निभाएं एनएसएस स्वयंसेवक : स्वच्छता, रक्तदान, वृक्षारोपण, जल संरक्षण और नशामुक्ति के लिए समाज को करें प्रेरित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। युवा शक्ति विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा, नवाचार की क्षमता और सेवा भावना को सही दिशा देकर समाज और राष्ट्र में बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर सभी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना आज देश के लाखों युवाओं को समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने वाला व्यापक अभियान बन चुकी है। एनएसएस से जुड़ने वाला युवा केवल गतिविधियों में भाग नहीं लेता, बल्कि समाज और अपने आसपास की परिस्थितियों को अधिक संवेदनशीलता से समझना सीखता है। लोगों की समस्याओं को समझना, जिम्मेदारी लेना, टीम के साथ कार्य करना और समाधान के लिए स्वयं आगे आना - ये ऐसे संस्कार हैं, जो युवाओं को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सक्षम बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि सेवा के किसी कार्य को छोटा नहीं समझना चाहिए। कई बार एक युवा द्वारा किया गया छोटा-सा प्रयास भी पूरे समाज को प्रेरित कर सकता है। किसी गांव में स्वच्छता के लिए पहल करना, जरूरतमंद के लिए रक्तदान करना, पौधा लगाकर उसकी देखभाल करना, जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना अथवा किसी व्यक्ति को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना - ऐसे प्रयास समाज में बड़े परिवर्तन की नींव बनते हैं।

युवाओं का भरोसा मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा सामर्थ्य यहां के युवा हैं। राज्य सरकार युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप शिक्षा, शासकीय सेवा, रोजगार, उद्यमिता, खेल और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में अवसरों का लगातार विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं के मन में भर्ती परीक्षाओं के प्रति भरोसा मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता रही है। तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल का गठन किया गया है। भर्ती परीक्षाओं में नकल और अनुचित साधनों के इस्तेमाल को रोकने के लिए सख्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि मेहनत और प्रतिभा के आधार पर योग्य युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग में लगभग 7 हजार युवाओं की भर्ती की गई है। व्याख्याता, शिक्षक और सहायक शिक्षक के पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। बिजली कंपनियों में भी 1 हजार 235 पदों पर भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है, जिससे इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा सहित अलग-अलग योग्यताओं वाले युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हो रहे हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 430 लैब अटेंडेंट को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। निजी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में काम किया जा रहा है और वर्षाकाल के बाद रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में और अधिक सक्रिय भागीदार बनाने के उद्देश्य से 'मेरा युवा भारत' जैसा व्यापक मंच तैयार किया गया है। इसके माध्यम से युवाओं को नेतृत्व, कौशल विकास और अनुभव आधारित सीख के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का उल्लेख करते हुए कहा कि वे स्वयं अपने विद्यार्थी जीवन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक रहे हैं। यह इस बात का उदाहरण है कि एनएसएस से मिले सेवा और नेतृत्व के संस्कार जीवन में कितनी दूर तक साथ चलते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं में समाज को प्रेरित करने की अपार क्षमता है। जब युवा किसी अच्छे उद्देश्य के लिए आगे आते हैं तो उनके साथ परिवार, समाज और समुदाय भी जुड़ता है। इसलिए एनएसएस स्वयंसेवकों की एक छोटी पहल भी व्यापक और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में निवेश के साथ-साथ रोजगार सृजन को विशेष प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि विगत डेढ़ वर्षों में प्रदेश को 8 लाख 25 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और अनेक परियोजनाओं में धरातल पर काम भी प्रारंभ हो चुका है।

उन्होंने कहा कि उद्योग नीति तैयार करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि प्रदेश में आने वाले निवेश का सीधा लाभ छत्तीसगढ़ के युवाओं को मिले। स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के लिए नीति में विशेष प्रावधान किए गए हैं। एक हजार स्थानीय लोगों को रोजगार देने वाले उद्यमों के लिए विशेष प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है। इससे आने वाले वर्षों में प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संसाधन और वातावरण उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दे रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले जनजातीय युवाओं के लिए दिल्ली स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल की क्षमता बढ़ाकर 200 सीट की गई है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस बार हॉस्टल के 13 विद्यार्थियों ने यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण की है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर अध्ययन वातावरण, पुस्तकें और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नालंदा परिसरों का निर्माण किया जा रहा है। सरकार की कोशिश है कि आर्थिक या भौगोलिक परिस्थितियां किसी प्रतिभाशाली युवा के सपनों के रास्ते में बाधा न बनें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बदलते समय में रोजगार को लेकर हमारी सोच भी व्यापक होनी चाहिए। छत्तीसगढ़ के युवा केवल नौकरी पाने वाले न रहें, बल्कि अपने नवाचार, प्रतिभा और उद्यमशीलता के माध्यम से दूसरों को रोजगार देने वाले भी बनें। राज्य सरकार इसके लिए स्टार्टअप और उद्यमिता का अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-30 के अंतर्गत वर्ष 2030 तक प्रदेश में 5 हजार स्टार्टअप को बढ़ावा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण मिशन के माध्यम से युवाओं को उद्यमिता, कौशल और नई तकनीकों से जोड़ा जा रहा है। सरकार चाहती है कि प्रदेश के युवा अपने विचारों को उद्यम में बदलें और छत्तीसगढ़ की नई अर्थव्यवस्था के निर्माण में नेतृत्वकारी भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया तेजी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई तकनीकों की ओर बढ़ रही है। आने वाले समय में शिक्षा, उद्योग, स्वास्थ्य, कृषि और प्रशासन सहित लगभग हर क्षेत्र में इन तकनीकों की भूमिका बढ़ेगी। इसलिए छत्तीसगढ़ के युवाओं को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना जरूरी है।

सेवा संकल्प अभियान में बड़ी भूमिका निभाएं युवा

मुख्यमंत्री साय ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान में प्रदेश में चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि एनएसएस और सेवा संकल्प अभियान की मूल भावना एक ही है - सेवा के लिए स्वयं आगे आना और समाज को भी सेवा कार्यों से जोड़ना। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उनके जन्मदिन 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में एक माह का सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। एनएसएस के युवा स्वच्छता, रक्तदान, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, नशामुक्ति और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे विषयों को जनआंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों से अपने महाविद्यालय और विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ गांवों, बस्तियों और शहरों में भी लोगों को इन अभियानों से जोड़ने का आग्रह किया।

स्मार्ट सिटी के हर प्रोजेक्ट की बनेगी एसओपी संचालन से कमाई तक का खाका होगा तैयार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बिलासपुर में स्मार्ट सिटी के तहत तैयार परियोजनाओं के संचालन और रखरखाव की पुख्ता व्यवस्था की जाएगी। हर प्रोजेक्ट के लिए एसओपी तैयार कर उसके बेहतर और दीर्घकालिक उपयोग का खाका तैयार किया जाएगा। नागरिकों के लिए इन परियोजनाओं का इस्तेमाल बढ़ाने के साथ राजस्व सृजन की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी। जहां जरूरत होगी, वहां पीपीपी मॉडल पर भी काम किया जाएगा।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में आज हुई बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 20वीं बैठक में विभिन्न विषयों पर मंथन किया गया। बोरा ने स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं को प्रभावी तरीके से संचालित करने के साथ ही उनके बेहतर उपयोग और दीर्घकालिक स्थायित्व पर जोर दिया। उन्होंने संचालन एवं रखरखाव के लिए स्पष्ट एसओपी तैयार करने और निर्धारित गाइडलाइन के अनुरूप काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने परियोजनाओं के बेहतर उपयोग की संभावनाएं तलाशने के साथ राजस्व सृजन पर भी काम करने को कहा। उन्होंने आवश्यकतानुसार पीपीपी मॉडल की संभावनाओं पर भी आगे बढ़ने के निर्देश दिए।

बैठक में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत बिलासपुर में चल रहे विकास कार्यों और परियोजनाओं की प्रगति से लेकर उनके भविष्य में संचालन जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन हुआ। नागरिक सुविधाओं के विस्तार और नगरीय अधोसंरचना को बेहतर बनाने से जुड़े विषय भी बोर्ड के सामने रखे गए। परियोजनाओं के संचालन, रखरखाव और भविष्य की कार्ययोजना पर भी चर्चा हुई। प्रमुख विषय बोरा ने परियोजनाओं को बेहतर ढंग से संचालित करने मानव संसाधन की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने ट्रेनिंग सेंटर के माध्यम से अधिक लोगों को जोड़ने तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण और कार्य अनुभव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। परियोजनाओं में कौन क्या जिम्मेदारी निभाएगा, इसे भी स्पष्ट रखने की बात कही गई। बैठक में एजुकेशन हब में अकादमिक ब्लॉक के निर्माण के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। उपलब्ध बीएससीएल (क्लस्टर) निधि से प्रस्तावित कार्य को संस्थागत स्थायित्व और बेहतर उपयोग की दृष्टि से आगे बढ़ाने पर विचार किया गया। इनके साथ ही जल संबंधी कार्यों को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ।

मंत्रालय से वर्चुअली आयोजित बैठक में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा के साथ संचालक नीलेश महादेव क्षीरसागर तथा सूडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमीत अग्रवाल शामिल हुए। वहीं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक भीम सिंह कंवर, चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मयंक अग्रवाल, भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के प्रतिनिधि सुजीत कुमार, बिलासपुर के कलेक्टर संजय अग्रवाल, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक रजनीश सिंह, बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध संचालक प्रकाश कुमार सर्वे और संचालक मंडल के अन्य सदस्य एवं अधिकारी बैठक में ऑनलाइन जुड़े।

'सेवा के रंग' से जन-जन तक पहुंचा रहे विकसित भारत का संकल्प : अरुण साव

सेवा, स्वच्छता और नारी सशक्तिकरण के संदेशों को रंगोली में उकेर रहीं बेटियां

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोरमी के मानस मंच में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित विकासखंड स्तरीय 'सेवा का रंग' रंगोली का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कलाकारों और विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई आकर्षक रंगोलियों की सराहना की। श्री साव ने छात्राओं से चर्चा कर उनकी बनाई रंगोलियों के विषय, उद्देश्य और संदेश की विस्तार से जानकारी ली। छात्राओं ने उन्हें बताया कि उन्होंने जल संरक्षण, विकसित भारत, नारी सशक्तिकरण, डिजिटल इंडिया और स्वच्छ भारत जैसे विषयों को रंगोली के माध्यम से प्रस्तुत किया है। उप मुख्यमंत्री ने छात्राओं की रचनात्मकता और उत्साह की प्रशंसा की। उप

मुख्यमंत्री साव ने कहा कि रंगोली के माध्यम से सेवा के भाव और विकसित भारत की कल्पना को सुंदर तरीके से अभिव्यक्त किया गया है। कोटा के रंगोली कलाकार रवि पैकरा ने करीब पौने दो क्विंटल सामग्री से विकसित भारत की भव्य रंगोली तैयार की है। यह रंगोली विकसित भारत के संकल्प को आकर्षक रूप में प्रस्तुत करती है। कार्यक्रम में आठ विद्यालयों की बेटियों ने अलग-अलग विषयों पर रंगोलियां बनाईं। जल संरक्षण से लेकर डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत और नारी सशक्तीकरण तक सेवा के विभिन्न रंगों को रंगोली के माध्यम से जीवंत किया गया।

श्री साव ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य विकसित भारत की कल्पना को जन-जन तक पहुंचाना है। हर व्यक्ति विकसित भारत क्या है और इसके निर्माण में उसकी भूमिका क्या है, इससे जुड़े। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सेवा भाव और जनकल्याण के संदेश को भी जन-जन तक पहुंचाना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

बिहान की दीदियों का कचरे से कंचन बनाने का मंत्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वच्छ और स्वस्थ गाँव का सपना अब सिर्फ कागज़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि ज़मीन पर एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। 'सेवा संकल्प अभियान' और 'स्वच्छता ही सेवा' पहल के तहत सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत कोतरी ने पूरे राज्य के सामने ग्रामीण स्वच्छता प्रबंधन का एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। यहाँ कचरे को समस्या नहीं, बल्कि उचित निपटान और कम्पोस्टिंग के ज़रिए संसाधन में बदला जा रहा है।

ग्राम पंचायत कोतरी के व्यावसायिक परिसर में आयोजित 'सेवा, मेरा योगदान' कार्यक्रम का सबसे आकर्षण केंद्र बिहान समूह की दीदियों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक रहा। अपनी सहज कला से

दीदियों ने ग्रामीणों को गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने, रीसाइक्लिंग और कचरे से खाद (कम्पोस्ट) बनाने की कला सिखाई। दीदियों का संदेश सीधा थाकृस्वच्छता केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि दैनिक जीवन का संस्कार है।

कोतरी गाँव की इस सफ्लता की रीढ़ यहाँ संचालित फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (स्स्ज्ञक्क) है। जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) द्वारा ग्रामीणों को बताया गया कि कैसे सेप्टिक टैंकों के अपशिष्ट को विशेष वाहनों से एकत्र कर इस प्लांट में लाया जाता है, जहाँ वैज्ञानिक तकनीक से इसका सुरक्षित और हानिरहित उपचार होता है। इस प्रक्रिया से निकलने वाले अपशिष्ट का पुनर्चक्रण कर पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिल रही है।

कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता वॉलिंटियर बसंत भारती को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए स्वच्छता किट प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और ग्रामीणों ने अपने गाँव को हमेशा स्वच्छ रखने का सामूहिक संकल्प लिया।

कोतरी गाँव में कचरा पृथक्करण, वैज्ञानिक उपचार और बिहान की दीदियों का जन-जागरूकता मॉडल यह साबित करता है कि जब समाज का हर वर्ग 'सेवा मेरा योगदान' के भाव से जुड़ता है, तो गाँव न सिर्फ स्वच्छ बनता है, बल्कि विकास की नई ऊँचाइयों को छूता है।

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत 49.66 करोड़ के 50 कार्यों को मंजूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शहरों को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत 49 करोड़ 66 लाख रुपए के 50 कार्यों को मंजूरी दी गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में हुई स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय तकनीकी समिति की 13वीं बैठक में इन कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रालय में हुई बैठक में 42 आकांक्षी शौचालयों सहित सतत स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं अनुपचारित जल प्रबंधन से जुड़े कई कार्यों को मंजूरी दी गई। इन कार्यों से शहरों में नागरिक सुविधाओं का विस्तार होगा तथा स्वच्छता व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

राज्य स्तरीय तकनीकी समिति की बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की स्वीकृत परियोजनाओं के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध क्रियान्वयन की निगरानी के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सलाहकार की नियुक्ति को स्वीकृति दी गई। साथ ही अनुपचारित जल प्रबंधन के अंतर्गत 5 नगरीय निकायों से प्राप्त निविदा दरों से संबंधित प्रस्तावों पर भी आवश्यक स्वीकृतियां जारी की गईं। इससे इन निकायों में जल प्रबंधन से जुड़े कार्यों को गति मिलेगी। बैठक में नगरीय क्षेत्रों में शून्य अपशिष्ट मॉडल को बढ़ावा देने और स्वच्छता प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने विभिन्न नवाचारों पर चर्चा की गई। उन्हें व्यापक स्तर पर लागू करने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

काम से मिलने वाला सुकून है सफलता की असली निशानी

नायला ग्रेवाल.....

एक कलाकार के लिए सफलता का मतलब समय के साथ बदलता रहता है। करियर की शुरुआत में जहां बड़े सपने अक्सर घर, गाड़ी, नाम और पहचान जैसी चीजों से जुड़े होते हैं, वहीं अनुभव बढ़ने के साथ काम से मिलने वाली खुशी और संतुष्टि ज्यादा मायने रखने लगती है। एक्ट्रेस नायला ग्रेवाल भी अपने करियर के साथ सफलता को देखने का नजरिया बदलने की बात कहती हैं। उन्होंने कहा, करियर की शुरुआत में मेरे लिए सफलता का मतलब बिल्कुल अलग था।

शुरुआत में मेरे लिए मुंबई में घर होना, कार खरीदना और दूसरी भौतिक चीजें हासिल करना सफलता का पैमाना था। लेकिन अब मेरे लिए असली सफलता तब है, जब दिनभर सेट पर काम करने के बाद मैं घर लौटूं और मुझे महसूस हो कि मैंने अपना 100 फीसदी दिया है। उन्होंने कहा, मेरे लिए आज के समय में सफलता की परिभाषा किसी बड़ी चीज को हासिल करने से ज्यादा अपने काम से संतुष्ट होना है। लंबे समय तक सेट पर रहने के बाद जब मैं घर लौटती हूं और मुझे लगता है कि मैंने अपने किरदार और काम के लिए पूरी मेहनत की। यही एहसास मेरे लिए सफलता का बड़ा उदाहरण है। मेरे लिए दिन के आखिर में यह महसूस करना जरूरी है कि मैंने अपना समय सही जगह लगाया और अपना बेस्ट देने की कोशिश की।

नायला ने कहा, दर्शकों को काम पसंद आना सफलता का एक बड़ा हिस्सा होता है। जब लोग मेरे काम को पसंद करते हैं और अभिनय को सराहते हैं, तो मुझे लगता है कि मेरी मेहनत सही दिशा में जा रही है। अब मेरे लिए सफलता सिर्फ वह नहीं है, जो बाहर से दिखाई देती है, बल्कि वह एहसास भी है जो किसी प्रोजेक्ट के बाद मुझे अंदर से मिलता है।

अपने अब तक के सफर के बारे में बात करते हुए नायला ने कहा, मैंने दिल्ली से अपने एक्टिंग सफर की शुरुआत की थी। कॉलेज के थिएटर से शुरू हुआ यह सफर आज मुझे मुंबई तक ले आया है, जहां मैं अब फुल-टाइम एक्टिंग कर रही हूं। मेरे लिए यह बदलाव खुद में एक बड़ी उपलब्धि है। मेरे लिए अब तक का सफर काफी संतोष देने वाला रहा है, क्योंकि मुझे शुरुआत से ही बेहतरीन निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला।

उन्होंने कहा, मैंने इम्तियाज अली के साथ काम किया है। उनके अलावा, अश्विनी अय्यर तिवारी, अनुभव सिन्हा और हाल में राहुल पांडे के साथ भी काम किया। मैं निर्देशक एटली के साथ भी काम कर रही हूं। इन निर्देशकों के साथ जुड़ना मेरे लिए बेहद खास रहा है। मैं हमेशा अपने करियर में इसी मुकाम तक पहुंचना चाहती थीं। हालांकि, मेरा सफर अभी खत्म नहीं हुआ है। मैं अभी भी सीख रही हूं और आगे बढ़ रही हूं।

ऋचा चड्ढा: 'इसका कुछ नहीं होगा'

जब लोगों ने उठाए थे अली फजल पर सवाल एक्ट्रेस ने याद किए संघर्ष भरे दिन

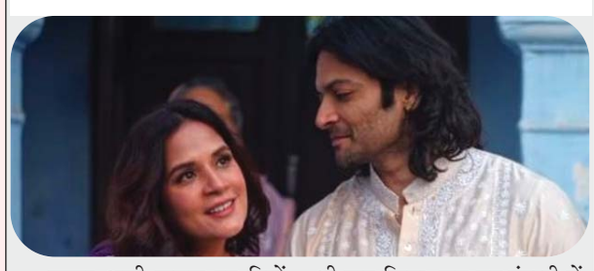

एक्टर अली फजल इन दिनों मिर्जापुर द मूवी में नजर आ रहे हैं। फिल्म में उनका किरदार दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। इस बीच उनकी पत्नी और एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने अली के स्ट्रगल भरे दिनों पर खुलकर बात की है।

अली फजल के लिए साल 2026 काफी व्यस्त और खास रहा है। इस साल वह क्राइम सीरीज 'राख', शकुन बत्रा की 'लस्ट स्टोरीज 3' और 'मिर्जापुर' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आए हैं। अली के करियर के इस दौर को उनकी पत्नी और अभिनेत्री ऋचा चड्ढा भी बेहद खास मानती हैं, क्योंकि उन्होंने अली के इस सफर को काफी पहले से देखा है।

'उनका साल कितना शानदार चल रहा है! मैं उनका सपोर्ट कैसे नहीं करूंगी? बेशक, यह सिर्फ सपोर्ट करने से कहीं ज्यादा है, लेकिन इस साल ऐसा कुछ नहीं है। हम काफी लंबे समय से साथ हैं। हमारी शादी को छह साल हो चुके हैं। जब मैं उनकी मेहनत का नतीजा देखती हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है।'

ऋचा ने अली के उस दौर को भी याद किया, जब वह इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने बताया कि उन्होंने अली को उस समय भी देखा है, जब उनकी जिंदगी आज से बिल्कुल अलग थी।

ऋचा ने कहा, 'मैंने उसे उस वक्त देखा है, जब वह एक झुग्गी में रहता था और उसके पास एक साइकिल थी। वह सिर्फ मेरा पार्टनर ही नहीं, बल्कि मेरा दोस्त भी है। मुझे लगता है कि मैंने इस दिन के लिए इसे पाल-पोसकर बड़ा किया है।'

उन्होंने बताया, 'जब मैंने अपने रिश्ते का ऐलान किया तो फिल्म इंडस्ट्री के दो लोगों ने मुझे फोन किया और कहा, 'इस लड़के का कुछ नहीं होगा।'

उन्होंने अली की 2017 में आई हॉलीवुड फिल्म 'विक्टोरिया एंड अब्दुल' का भी जिक्र किया, जिसमें अली के साथ जूडी डेंच नजर आई थीं। ऋचा ने कहा, 'मैं आपको बता सकती हूं कि दो लोगों ने उस फिल्म को लेकर कहा था, 'इसको ये फिल्म कैसे मिल गई?' जूडी डेंच के सामने अपनी जगह बनाए रखना बहुत मुश्किल है।'

द पैराडाइज: 'हनुमान अंश' को मिली कड़ी टक्कर

नानी की फिल्म ने की धमाकेदार शुरुआत

साउथ एक्टर नानी की मच अवेटेड फिल्म 'द पैराडाइज' एक्टर नानी की फिल्म 'द पैराडाइज' 24 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। जानिए पहले दिन इसने कितनी कमाई की है।

श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बनी फिल्म 'द पैराडाइज' आज रिलीज हो गई है। फिल्म में नानी लीड रोल में हैं। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन धमाकेदार शुरुआत की है। एडवांस बुकिंग में भी फिल्म ने बंपर कमाई की थी। रिलीज के बाद पहले दिन इसने खबर लिखे जाने तक 31.04 करोड़ की कमाई कर ली है। पहले दिन की कमाई से इसके क्रेज का अंदाजा लगाया जा सकता है।

'द पैराडाइज' का निर्देशन श्रीकांत ओडेला ने किया है। इसे एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले रिलीज किया गया है। फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, इंग्लिश, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम समेत कुल आठ भाषाओं में रिलीज हुई है। फिल्म में नानी, राघव जुयाल के अलावा मोहनलाल, सोनाली बेंद्रे और संपत राज अहम भूमिकाओं में हैं। 'द पैराडाइज' का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है।

इन फिल्मों से टक्कर

'द पैराडाइज' ऐसे समय में रिलीज हुई है, जब बॉक्स ऑफिस पर पहले से ही दो फिल्में दमदार कमाई कर रही हैं। फिल्म 'हनुमान अंश' और पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु की फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही हैं। रिलीज के 49वें दिन भी 'हनुमान अंश' का जलवा बरकरार है। इसका टोटल कलेक्शन 287.60 करोड़ हो गया है। वहीं 'मिर्जापुर द मूवी' ने कुल 222.59 करोड़ का कारोबार कर लिया है। ऐसे में 'द पैराडाइज' की टक्कर इन फिल्मों से होने वाली है। वहीं इन फिल्मों के अलावा 'दायरा', 'वाइब' और 'रेसिडेंट ईविल' जैसी फिल्में भी थिएटर्स में लगी हुई हैं।

धार्मिक हिन्दी फिल्म महाकाव्य श्री रामायण कथा मे अभीनय करने वाले बॉलीवुड के एक्टर्स रायपुर और भिलाई मे किये जमकर प्रमोशन

ऐ जे फिल्म प्रोडक्शन के बेनर तले बनी प्रकाश महोबीया और संजय बुंदेला द्वारा निर्मित तथा प्रसिध्द निरदेशक अभीशेक सिंह द्वारा नीरदेशीत धार्मिक हिन्दी फिल्म महाकाव्य श्री रामायण कथा अभीनय करने वाले बोलीवुड के एक्टर्स रायपुर और भिलाई मे जमकर प्रमोशन किये।

इस दौरान वे जहाँ रायपुर के अंजनेय यूनिवरसिटी मॉल और भिलाई के संजय रूंगटा कॉलेज। सूर्या मोल सेक्टर 9 हनुमान मन्दिर Khursipar ganesh पंडाल मे लोगो से रूबरू हुए इस अवसर पर फिल्म की पूरी टीम ने युवाओं से संवाद किये। रूंगटा इंस्टीट्यूट कॉलेज में आयोजित पत्रकार वार्ता में फिल्म के कलाकारों और निर्माता-निर्देशक ने न केवल फिल्म से जुड़े अनुभव साझा किए, बल्कि युवाओं से उनके करियर, चुनौतियों और जीवन के मूल्यों पर भी खुलकर बातचीत की। संवाद के दौरान कलाकारों ने कहा कि चुनौतियों से डरकर पीछे नहीं हटना, धैर्य रखना और खुद पर विश्वास करना ही आगे बढ़ने की कुंजी है। महाकाव्य श्री रामायण कथा 25 सितंबर को हिंदी के साथ छत्तीसगढ़ी भाषा में भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म में राम की भूमिका देव शर्मा, सीता की भूमिका अंजलि अरोड़ा और लक्ष्मण की भूमिका शील वर्मा ने निभाई है। निर्देशक अभिषेक सिंह तथा निर्माता प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला हैं। फिल्म में रावण की भूमिका रजनीश दुग्गल, हनुमान की भूमिका निर्भय वाधवान और विभीषण की भूमिका नीरज उइके, शमशीर सीवानी ने सुसेन वैध की राजनिश झांजी ने परशुराम जी की भूमिका निभाई है,

कलाकारों ने बताया कि फिल्म की शूटिंग भिलाई के सिविक सेंटर, दुर्ग, रायपुर, बस्तर, जगदलपुर और चित्रकूट सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों पर हुई है।

धैर्य और अनुशासन जरूरी: काचा बाजाम फेम- अंजलि अरोरा

सीता का किरदार निभाने वाली अंजलि अरोड़ा ने कहा कि सीता केवल त्याग का नहीं, बल्कि शक्ति, धैर्य और संघर्ष का भी प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सिनेमा के माध्यम से युवा अपने धर्म और इतिहास को नए तरीके से जान सकते हैं। उन्होंने युवाओं को धैर्य रखने और खुद पर विश्वास करने की सीख देते हुए कहा कि किसी भी काम में जल्दबाजी के बजाय धैर्य के साथ आगे बढ़ना जरूरी है।

25 वर्षीय अंजलि ने अपने इंजीनियरिंग छात्र जीवन का अनुभव साझा करते हुए कहा कि जीवन में फैसले और सफलता दोनों के लिए धैर्य जरूरी है। ट्रोलिंग के सवाल पर उन्होंने कहा कि आलोचना हर क्षेत्र में होती है। युवाओं को नकारात्मक बातों से घबराने के बजाय उनमें छिपी सकारात्मक बात को लेना चाहिए। परिवार का साथ हो तो नकारात्मकता का असर कम हो जाता है। उन्होंने कहा कि उनका सपना है कि वह अपने काम के दम पर ऐसा नाम बनाएं कि बड़े फिल्मकार उन्हें स्वयं अपनी फिल्म के लिए चुनें।

मैंने फिल्म साइन नहीं की, प्रभु राम ने मुझे चुना-देव शर्मा

राम की भूमिका निभाने वाले देव शर्मा ने कहा कि वे पंजाब में जन्मे और दिल्ली-मुंबई में पले-बढ़े, लेकिन छत्तीसगढ़ की धरती पर राम की भूमिका निभाना उनके लिए विशेष अनुभव रहा। उन्होंने कहा, मैंने यह फिल्म साइन नहीं की, मुझे लगता है प्रभु राम ने मुझे चुना है। उन्होंने युवाओं से कहा कि हर व्यक्ति के भीतर राम और रावण दोनों प्रवृत्तियां होती हैं। हमें तय करना है कि हमें राम बनना है या रावण।

लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले शील वर्मा छत्तीसगढ़ से ही जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि दुर्ग क्षेत्र में पढ़ाई के दौरान इंजीनियरिंग के तीसरे सेमेस्टर में उन्हें अभिनय का जुनून महसूस हुआ। इसके बाद उन्होंने अवसर तलाशे और मुंबई तक पहुंचे। वे कई धारावाहिकों और छत्तीसगढ़ी फिल्मों में काम कर चुके हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि अपने भीतर के हुनर और रुचि को पहचानें, मेहनत करें और चुनौती स्वीकार करने से पीछे न हटें। फिल्म में छत्तीसगढ़ के कलाकारों रजनीश झांझी, ललित उपाध्याय, धर्मेंद्र चौबे, नकुल मलवार और नीरज उइके, सुसेन वैद्य की भूमिका शमशीर सीवानी, संजू साहू माता कौशल्या उपासना वैष्णव माता कैकयी उरवर्षी साहू मन थरा सीमा सिंह मंदोदरी। विक्रम राज राजा दशरथ जयराम भगवानी ऋषि वशिष्ट, तनु प्रधान सुपर्णखशा, मनीषा वर्मा अहिल्या संगीता निषाद सुमित्रा धर्मेन्द्र चौबे राजा जनक गोकुल वर्मा जामवंत भू नेश साहू मेघ नाथ आनिरुद्, ताम्र कारने जटायु की भूमिका का निर्वहन किये हैं फिल्म के मुख्य सहायक निर्देशक प्रेम चोपड़ा हैं!

लिवर को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है लौंग का सेवन, ऐसे करें इस्तेमाल

लौंग एक ऐसा मसाला है, जो न केवल खाने का जायका बढ़ाता है, बल्कि कई औषधीय गुणों से भी भरपूर है। आयुर्वेद में लौंग का उपयोग कई बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है। इसमें मौजूद गुणकारी तत्व लिवर को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे लौंग का इस्तेमाल लिवर के लिए फायदेमंद हो सकता है।

लौंग का तेल कैसे करें इस्तेमाल?

लौंग का तेल लिवर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व लिवर की सफाई करने में मदद करते हैं। आप इसे अपने खाने में शामिल कर सकते हैं या फिर इसकी कुछ बूंदें पानी में मिलाकर पी सकते हैं।

इसके अलावा आप लौंग के तेल को भाप के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपके सांस लेने की प्रक्रिया की सफाई होगी और लिवर को भी फायदा पहुंचेगा।

लौंग की चाय का सेवन करें

लौंग की चाय पीने से भी लिवर स्वस्थ रहता है। इसके लिए आपको एक कप पानी में दो-तीन लौंग डालकर उबालना होगा।

जब पानी अच्छे से उबल जाए तो उसमें थोड़ा सा शहद मिलाकर पीएं। यह चाय आपके पाचन तंत्र को मजबूत बनाएगी और शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में मदद करेगी।

इसके अलावा यह चाय लाभकारी तत्वों से भरपूर होती है, जो आपके लिवर को स्वस्थ रखने में सहायक है।

खाली पेट लौंग चबाएं

खाली पेट लौंग चबाने से भी बहुत फायदे होते हैं। इसमें मौजूद लाभकारी तत्व आपके शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

सुबह उठते ही 1-2 लौंग चबाने से आपके पाचन तंत्र की सफाई होती है और आपका लिवर स्वस्थ रहता है। इसके अलावा यह आपके शरीर को ऊर्जा भी प्रदान करता है। लौंग के नियमित सेवन से आप ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे और आपकी सेहत भी बेहतर होगी।

भोजन में शामिल करें

अपने भोजन में लौंग को शामिल करना भी एक अच्छा तरीका हो सकता है। आप इसे सब्जियों, दालों या चावल आदि में डाल सकते हैं। इससे न केवल खाने का स्वाद बढ़ेगा, बल्कि आपके लिवर को भी फायदा पहुंचेगा।

लौंग का नियमित सेवन आपके पाचन तंत्र को मजबूत बनाएगा और हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में मदद करेगा। इसके अलावा यह आपके शरीर को ऊर्जा भी प्रदान करता है।

आयुर्वेदिक औषधियों में उपयोग

आयुर्वेदिक औषधियों में अक्सर लौंग का उपयोग किया जाता है क्योंकि यह कई प्रकार की बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। चाहे वह पेट दर्द हो या अपच की समस्या, लौंग हर स्थिति में कारगर साबित होती है। इस प्रकार हम देख सकते हैं कि कैसे साधारण सी दिखने वाली लौंग हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। इसके नियमित उपयोग से हम न केवल बीमारियों से बच सकते हैं बल्कि स्वस्थ भी रह सकते हैं।

रणबाली का पहला गाना 'एंधय्या स्वामी' जारी विजय-रश्मिका की शादी के जश्न में दिखा रोमांस

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रणबाली' का पहला गीत 'एंधय्या स्वामी' का पूरा गीतात्मक वीडियो जारी कर दिया गया है। अजय-अतुल द्वारा संगीतबद्ध यह रोमांटिक गीत तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में जारी किया गया है। राहुल सांकृतियन के निर्देशन में बनी यह ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वाली एक्शन-प्रधान फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

गीत में विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के किरदार रणबाली और जयम्मा की शादी के जश्न का दृश्य दिखाया गया है। गीत के माध्यम से 19वीं सदी में होने वाली शादी की भव्यता, परंपराओं और उत्सव के माहौल को उकेरने के साथ दोनों किरदारों के बीच के प्रेम को भी प्रमुखता दी गई है। गीतात्मक वीडियो में उस दौर की वेशभूषा, रीति-रिवाज और उत्सव की झलक देखने को मिलती है।

'एंधय्या स्वामी' के तेलुगु बोल सरस्वतीपुत्र रामजोगय्या शास्त्री ने लिखे हैं। गीत को श्वेता मोहन और अजय गोगावले ने अपनी आवाज दी है। अजय-अतुल के संगीत के साथ तैयार यह गीत फिल्म की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और रोमांटिक कहानी के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में सामने आया है।

'रणबाली' की कहानी ब्रिटिश शासन के दौर में 1854 से 1878 के बीच की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म को उस दौर की वास्तविक ऐतिहासिक घटनाओं और उन अनकही कहानियों से प्रेरित बताया गया है, जो इतिहास के पन्नों में दबकर रह गईं।

फिल्म में विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिका में रणबाली का किरदार निभा रहे हैं, जबकि रश्मिका मंदाना जयम्मा की भूमिका में नजर आएंगी। हॉलीवुड अभिनेता अर्नोल्ड वोस्लो फिल्म में सर थियोडोर हेक्टर का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी हुई है और निर्माण दल अब इसके अंतिम पश्च-निर्माण चरण में जुटा हुआ है।

खास-खबर

सेवा संकल्प अभियान : पेंड्रा महाविद्यालय में रक्तदान शिविर

रायपुर। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में सेवा संकल्प अभियान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ. भंवर सिंह पोर्ते शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पेंड्रा में यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में रक्त समूह परीक्षण एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शिविर के दौरान 100 से अधिक प्रतिभागियों का रक्त समूह परीक्षण किया गया। वहीं पात्र एवं इच्छुक विद्यार्थियों और अन्य सहभागियों ने 13 यूनिट रक्तदान किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को रक्तदान के महत्व, जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता तथा मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक किया गया।

मिनी माता महतारी जतन योजना से रोशनी के मातृत्व को मिला आर्थिक संबल

रायपुर। राज्य शासन द्वारा श्रमिक परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। श्रम विभाग के माध्यम से श्रमिकों के पंजीयन के बाद उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, बीमा, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। इन योजनाओं से श्रमिक परिवारों को विपरीत परिस्थितियों में आर्थिक सहारा मिलने के साथ ही उनके जीवन स्तर में सुधार की दिशा में मदद मिल रही है। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित 'सेवा मेरा योगदान' शिविर में कोण्डागांव के अस्पताल वार्ड निवासी रोशनी यादव को प्रसूति के उपरांत श्रम विभाग की मिनी माता महतारी जतन योजना का लाभ मिला। योजना के अंतर्गत उन्हें 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

गैर-संचारी रोगों की रोकथाम के लिए मैदानी अमले को मिला प्रशिक्षण

रायपुर। गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान, जांच और उपचार व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जिला और ब्लॉक स्तर के मैदानी अमले का प्रशिक्षण पूरा किया है। राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत रायपुर, बस्तर और बिलासपुर संभाग मुख्यालयों में संभाग स्तरीय कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इनमें जिला नोडल अधिकारी, खंड चिकित्सा अधिकारी, जिला सलाहकार, एफएलओ, डीडीएम, बीपीएम और बीडीएम सहित संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों ने भाग लिया। डॉ. गायत्री बांधी, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, बिलासपुर तथा डॉ. शुभा घरेवाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित राज्य स्तर के सलाहकारों के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन और के प्रतिनिधियों ने एनपी-एनसीडी के विभिन्न घटकों की जानकारी दी।

कवर्धा के नए स्वरूप की रखी नींव, 54 करोड़ से बनेगी 4 लेन सड़क

छत्तीसगढ़ का खजाना जनता के लिए खुला है, गांव से शहर तक तेज गति से हो रहे विकास कार्यः उप मुख्यमंत्री अरुण साव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कवर्धा शहर में प्रवेश करते ही अब बदलता हुआ शहर नजर आएगा। 54 करोड़ रुपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर 7.8 किलोमीटर सड़क को 4 लेन में विकसित करने के साथ रायपुर और बिलासपुर की ओर दोनों प्रवेश मार्गों पर भव्य प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री अरुण साव और उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आज शहर वासियों को बड़ी सौगात देते हुए नया मंडी परिसर, कवर्धा में इस सड़क निर्माण का भूमिपूजन किया। चंद्रयान हॉस्पिटल से शुरू होकर कवर्धा शहर के प्रमुख हिस्सों से गुजरते हुए जोरातराल के आगे तक बनने वाली इस 4 लेन सड़क में डिवाइडर का भी निर्माण किया जाएगा।

प्रवेश द्वारों के डिजाइन में धर्मनगरी कवर्धा की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को प्रमुखता दी जाएगी। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के विशेष आग्रह पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कवर्धा नगर पालिका में सामुदायिक भवन निर्माण और मटन मार्केट के लिए 3.50 करोड़ रुपए, नगर पंचायत बोड़ला में बाजार विस्थापन के लिए 1.50 करोड़ रुपए, सहसपुर लोहारा में बाधांटोला में गौरव पथ निर्माण के लिए 1.50 करोड़ रुपए और नगर पंचायत पिपरिया के खेल मैदान के लिए 1.50 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की घोषणा की। इसके साथ ही उनकी मांगों पर विभिन्न सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य की भी घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और श्री विजय शर्मा ने रखी कवर्धा के नए स्वरूप की नींव, 54 करोड़ से बनेगी 4 लेन सड़क उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पूरी होने की गारंटी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने संकल्पों को पूरा करने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री आवास, 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, दो वर्ष के पुराने बोनस का भुगतान, महतारी वंदन योजना, तेंदूपत्ता पारिश्रमिक में वृद्धि और पीएससी मामले की सीबीआई जांच जैसे महत्वपूर्ण संकल्पों को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के माथे पर नक्सलवाद का जो कलंक था, उसे मिटाने की दिशा में प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है। जवानों के साहस और परिश्रम से छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्ति की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि सरकार विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश में सड़क सहित बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। पिछले ढाई वर्षों में लोक निर्माण विभाग में 12,666 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। अनेक कार्य शुरू हो चुके हैं और कई पूरे भी हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए संसाधनों की कमी नहीं है। जनता का पैसा जनता के विकास पर खर्च किया जा रहा है और छत्तीसगढ़ का खजाना छत्तीसगढ़ की जनता के लिए खोला गया है। इसी का परिणाम है कि गांवों से लेकर शहरों तक विकास कार्यों की गति बढ़ी है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सुशासन, विकास और शांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कबीरधाम जिला भी विकास की इस यात्रा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जिले की जनता के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता की सहभागिता से विकास की यह गति और मजबूत होगी। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि कवर्धा में लगभग 140 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें सड़क, शिक्षा, शहर के विकास और धार्मिक-पर्यटन स्थलों से जुड़े कार्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कवर्धा शहर में 54 करोड़ रुपए की लागत से चार लेन सड़क का निर्माण शुरू होगा। रायपुर और बिलासपुर मार्ग की ओर लगभग 3-3 किलोमीटर सड़क का विकास किया जाएगा। कवर्धा में 4.5 करोड़ रुपए की लागत से नालंदा परिसर बनाया जा रहा है, जहां 24 घंटे पुस्तकालय और डिजिटल पुस्तकालय की सुविधा होगी।

नए बस स्टैंड को शुरू करने के लिए 10 करोड़ रुपए की लागत से घोटिया रोड का निर्माण किया गया हैं। भोरमदेव परिसर के विकास के लिए 1.46 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। तालाब परिसर, उद्यान, मेला स्थल, छेरकी महल, रामचुआ और सरोधा क्षेत्र में विकास कार्य किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास, सुशासन और जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए दृढ़ता के साथ आगे बढ़ रही है।

नए आंगनबाड़ी भवन में लौटी बच्चों की रौनक, पालकों का बढ़ा भरोसा

कोरिया के पटेलपारा में विभागीय अभिसरण से बना केंद्र; बच्चों और महिलाओं को मिल रही बेहतर सुविधाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कोरिया जिले के ग्राम पंचायत कंचनपुर के पटेलपारा में बना नया आंगनबाड़ी भवन बच्चों की सुरक्षा और सुविधाओं के साथ पालकों के भरोसे का भी आधार बना है। पहले केंद्र गांव के एक कच्चे मकान में संचालित होता था। भवन की स्थिति को लेकर चिंतित कई पालक बच्चों को नियमित नहीं भेजते थे। अब वे सुबह बच्चों को नए केंद्र तक छोड़ने आते हैं और परिसर बच्चों की चहल-पहल से गुलजार रहता है।

पुराने भवन में बारिश के दिनों में केंद्र चलाना कठिन होता था। बच्चों के लिए शौचालय और पोषण सामग्री रखने की समुचित व्यवस्था भी नहीं थी। इन असुविधाओं का असर बच्चों की गतिविधियों के साथ गर्भवती और शिशुवती महिलाओं के लिए आयोजित स्वास्थ्य एवं पोषण कार्यक्रमों पर भी पड़ता था।

ग्राम पंचायत कंचनपुर के प्रस्ताव पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं के अभिसरण से पटेलपारा में नया आंगनबाड़ी भवन बनाया गया। निर्माण के लिए मनरेगा से 11 लाख 69 हजार रुपये और महिला एवं बाल विकास विभाग से 3 लाख 69 हजार रुपये, कुल 15 लाख 38 हजार रुपये उपलब्ध कराए गए। ग्राम पंचायत कंचनपुर ने निर्माण एजेंसी के रूप में कार्य पूरा कराया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती पुष्पा बताती हैं कि नए भवन में स्वच्छ शौचालय और पोषण सामग्री रखने की सुविधा मिलने से केंद्र का संचालन आसान हुआ है। उनके अनुसार, बच्चों को नियमित भेजने के प्रति पालकों का भरोसा बढ़ा है तथा केंद्र में महिलाओं और बच्चों की उपस्थिति भी बढ़ी है। पटेलपारा की यह सेवा की कहानी दिखाती है कि एक सुरक्षित और व्यवस्थित आंगनबाड़ी भवन बच्चों के शुरुआती विकास तथा माताओं तक सेवाएं पहुंचाने में कितना सहायक हो सकता है।

सुरक्षित मातृत्व के लिए सूरजपुर में 1,180 गर्भवती महिलाओं की जांच

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सूरजपुर जिले में आज प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान आयोजित किया गया। जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंची गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच की गई।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आवश्यक उपचार के साथ पोषण, दवाइयों और सुरक्षित प्रसव के संबंध में परामर्श भी दिया। अभियान के दौरान 1,180 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। इनमें 123 महिलाओं की पहचान उच्च जोखिम वाली गर्भवती के रूप में हुई, जबकि 106 महिलाओं की सोनोग्राफी की गई।

जिला चिकित्सालय तथा भैयाथान, प्रतापपुर, ओड़गी और रामानुजनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में शासकीय एवं निजी विशेषज्ञों के सहयोग से प्रत्येक माह की 9 और 24 तारीख को सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की महिलाओं तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए विभिन्न सेक्टरों में स्वास्थ्य शिविर भी लगाए गए।

इन शिविरों में गर्भवती महिलाओं को जांच और स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया।

शासकीय शालाओं में 6,812 शिक्षकीय पदों पर भर्ती की तैयारी शुरू, तीन परीक्षाओं की तिथियां घोषित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शासकीय और स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में कुल 6,812 शिक्षकीय पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। लोक शिक्षण संचालनालय से प्राप्त जानकारी अनुसार, शासकीय विद्यालयों में 5 हजार नियमित पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से आयोजित की जाएगी।नियमित भर्ती में सहायक शिक्षक के 2,292, सहायक शिक्षक विज्ञान के 200, शिक्षक के 1,654 और व्याख्याता के 854 पद शामिल हैं। इनमें ई संवर्ग के 2,227 और टी संवर्ग के 2,773 पद हैं।

घोषित कार्यक्रम के अनुसार सहायक शिक्षक की लिखित परीक्षा 11 अक्टूबर 2026, को आयोजित होगी इसी प्रकार शिक्षक की 25 अक्टूबर 2026 को और व्याख्याता की 29 नवंबर 2026 को होगी। सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के पदों की परीक्षा तिथि अभी निर्धारित नहीं की गई है। सहायक शिक्षक और शिक्षक पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जबकि व्याख्याता पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी । स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में 1,812 संविदा (शैक्षणिक) पदों पर पहली बार केंद्रीय कृत कंप्यूटर आधारित भर्ती परीक्षा आयोजित की जाएगी। इन पदों की भर्ती अधिसूचना सितंबर माह में जारी की जा रही है और ऑनलाइन आवेदन अक्टूबर माह से शुरू करने की तैयारी है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से 6812 पदों की भर्तियाँ की जा रही हैं ।

निर्माण श्रमिकों के कौशल विकास को मिली नई दिशा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में श्रम विभाग द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है।

गुरुवार को नवा रायपुर, अटल नगर में श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन के शासकीय निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल (बीओसी) एवं सिपेट रायपुर के बीच पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके बच्चों के कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण अनुबंध हुआ।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह उपस्थित रहे। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक कौशल विकास एवं परिवार सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत 200 निर्माण श्रमिकों अथवा उनके बच्चों को 480 घंटे का आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्लास्टिक प्रोसेसिंग, इंजेक्शन मोल्डिंग एवं एक्सट्रूज़न जैसे तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों को पारंपरिक रोजगार के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी कौशल से जोड़ना है, ताकि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उनके लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर विकसित हो सकें। कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से श्रमिक परिवारों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बनाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी।

इस अवसर पर सिपेट रायपुर के प्रधान निदेशक डॉ. आलोक साहू, प्रशासनिक अधिकारी नितेश कुमार जैन, प्रबंधन तकनीकी रविंद्र रेड्डी तथा बीओसी के सचिव गिरीश रामटेके सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शेखरपुर की 'गज श्रद्धा' बनी मानव-हाथी सह-अस्तित्व की मिसाल

हाथियों की स्मृति में वर्षों से मनाया जा रहा गणेश उत्सव, वन्यजीव संरक्षण का दे रहा संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में प्रकृति, आस्था और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता की अनूठी परंपरा देखने को मिल रही है। पत्थलगांव वन परिक्षेत्र के ग्राम शेखरपुर में ग्रामीण पिछले कई वर्षों से जंगली हाथियों की स्मृति को भगवान गणेश के प्रति अपनी आस्था से जोड़कर गणेश उत्सव मनाते आ रहे हैं। ग्रामीणों की यह 'गज श्रद्धा' मानव और वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व का प्रेरणादायी संदेश दे रही है।

इस परंपरा की शुरुआत वर्ष 2009 की एक घटना से हुई। ग्राम शेखरपुर में विद्युत करंट की चपेट में आने से दो जंगली हाथियों की मृत्यु हो गई थी। ग्रामीणों ने हाथियों को भगवान गणेश का प्रतीक मानते हुए हिन्दू रीति-रिवाज के अनुसार उनका अंतिम संस्कार किया और उसी स्थान पर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की। इसके बाद से प्रतिवर्ष गणेश चतुर्थी के अवसर पर ग्रामीण यहां श्रद्धा और उल्लास के साथ गणेश उत्सव का आयोजन करते हैं।

आस्था के साथ वन्यजीव संरक्षण का संदेश

इस वर्ष भी वन्यजीव संरक्षण और मानव-हाथी सह-अस्तित्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 22 सितम्बर को वन परिक्षेत्र पत्थलगांव द्वारा ग्राम शेखरपुर में 'गजरथ' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। वन विभाग के अधिकारियों एवं मैदानी अमले ने ग्रामीणों को जंगली हाथियों के व्यवहार, उनके प्राकृतिक आवास के महत्व, हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने तथा मानव-हाथी द्वंद्व को कम करने के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। कार्यक्रम के माध्यम से वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता और उनके साथ सुरक्षित सह-अस्तित्व का संदेश दिया गया। गणेश प्रतिमा विसर्जन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रकृति और संस्कृति के समन्वय की प्रेरक पहल वन विभाग ने ग्राम शेखरपुर के ग्रामीणों की भावना एवं वर्षों से चली आ रही इस परंपरा की सराहना की है। विभाग ने कहा कि शेखरपुर की 'गज श्रद्धा' केवल धार्मिक आस्था की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति ग्रामीण समाज की संवेदनशीलता का भी उदाहरण है। जशपुर जैसे वन एवं हाथी प्रभावित क्षेत्र में यह परंपरा वन्यजीव संरक्षण के साथ मानव-हाथी सह-अस्तित्व का सकारात्मक संदेश देती है।

ग्रामीणों की सहभागिता और वन विभाग के जागरूकता प्रयास मिलकर यह संदेश दे रहे हैं कि वन्यजीवों के संरक्षण के साथ आवश्यक सावधानी और संवेदनशीलता अपनाकर सुरक्षित सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।

सिंचाई योजना के लिए 14.78 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़-शासन जल संसाधन विभाग द्वारा खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 14 करोड़ 78 लाख 61 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। जल संसाधन विभाग द्वारा स्वीकृत सिंचाई योजनाओं में खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के टेकापार जलाशय जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग कार्य के लिए 4 करोड़ 94 लाख 42 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के कार्य पूरा होने से 133 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इसी तरह से साल्हेवारा जलाशय का जीर्णोद्धार, नहरों का रिमाडलिंग एवं लाईनिंग कार्य के लिए 4 करोड़ 85 लाख 33 रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के कार्य पूर्ण होने से 164 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी।

खास खबर

छत पर मिला 20 वर्षीय युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

कोरबा। शहर के सीतामणि गोकुलगंज बस्ती में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब 20 वर्षीय युवक का शव उसके घर की छत पर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। मृतक की पहचान निखिल यादव के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। बुधवार को परिवार के सदस्य घर की छत पर पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने लोहे के एंगल से निखिल का शव लटका हुआ देखा। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घटना के समय भी उसके नशे में होने की बात परिजनों ने बताई है। हालांकि, मौत से पहले की परिस्थितियों और घटना के पीछे के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

गिधौरी पुलिस की कार्रवाई, 7 हजार रुपये की अवैध महुआ शराब जब्त

बलौदाबाजार। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में गिधौरी पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक शराब कोचिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 35 लीटर हाथ भट्ठी कच्ची महुआ शराब जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 7 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार 23 सितंबर को थाना गिधौरी की टीम को अवैध महुआ शराब बिक्री की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने टुण्डरा नगर से पथर्री सबरिया डेरा जाने वाले कच्चे मार्ग पर नहर किनारे घेराबंदी की। इस दौरान अवैध महुआ शराब लेकर बिक्री के लिए जा रहे आरोपी को मौके पर पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विनोद (25 वर्ष), निवासी टुण्डरा नगर पथर्री सबरिया डेरा, थाना गिधौरी के रूप में हुई है। उसके कब्जे से कुल 35 लीटर अवैध हाथ भट्ठी कच्ची महुआ शराब जब्त की गई। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना गिधौरी में आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की कार्रवाई की जा रही है।

रायपुर में आरक्षक को जान से मारने की धमकी : रात 1 बजे आरोपी ने कॉल करके दी गालियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में ड्यूटी पर तैनात एक आरक्षक को देर रात फोन कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरक्षक हरजीत सिंह ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उसने गुरप्रीत सिंह भुल्लर उर्फ गोपी पर फोन पर गाली-गलौज करने और धमकी देने का आरोप लगाया है। आरोपी ने फोन पर कहा कि जहां भी मिलेगा, उसे जान से मारकर फेंक देगा।

आरक्षक ने अपनी शिकायत में बताया कि वह जनवरी 2026 से थाना सिविल लाइन में पदस्थ है। 22 और 23 सितंबर की दरमियानी रात करीब 1:02 बजे ड्यूटी के दौरान उसके मोबाइल पर दो नंबरों से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को गुरप्रीत सिंह भुल्लर उर्फ गोपी बताया। आरोप है कि उसने पुराने विवाद का जिक्र करते हुए आरक्षक के साथ गाली-गलौज की।

हरजीत सिंह के मुताबिक, फोन पर बात करते समय उसने मोबाइल का स्पीकर ऑन कर रखा था। इस दौरान उसके साथ ड्यूटी पर मौजूद आरक्षक वीरेंद्र गायकवाड और जितेश मांझी ने भी कथित गाली-गलौज और धमकी सुनी। आरक्षक ने पुलिस को बताया कि कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी उसके मोबाइल में मौजूद है।

शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने बातचीत के दौरान तीज के दिन उसके घर पकड़ने के लिए पहुंचने की बात कही और इसी बात को लेकर नाराजगी जताई। इसके बाद कथित तौर पर आरक्षक को अपशब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी।

आरक्षक ने यह भी आरोप लगाया है कि गुरप्रीत सिंह भुल्लर के खिलाफ पहले भी सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज है। पुलिस शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

सिविल लाइन निरीक्षक यामन देवांगन ने आरक्षक की शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, कि मामलें में जांच की जा रही है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

19 साल से बिलासपुर में रह रहा बांग्लादेशी पकड़ाया

फर्जी आधार-पैन, वोटर आईडी, मार्कशीट बनवाई एनटीपीसी में लिफ्ट मेंटेनेंस का काम करता था

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एसटीएफ और जिला विशेष शाखा ने संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक के खिलाफ कार्रवाई की है। टीम ने सरकंडा क्षेत्र की सूर्या विहार कॉलोनी में दबिश देकर अतीक हुसैन (42) को हिरासत में लिया है। जो कि पिछले करीब 19 साल से शहर में रह रहा था और सीपत एनटीपीएस में लिफ्ट मेंटेनेंस का काम करता था।

पुलिस का दावा है कि उसके पास मिले कई भारतीय पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज फर्जी तरीके से बनवाए गए हैं। वहीं, रजनेश सिंह ने बताया कि करीब 20 दिन पहले सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान अतीक से भी पूछताछ की गई थी।

इसके बाद संदिग्ध लोगों को रायपुर स्थित होल्डिंग सेंटर भेजा गया था। पुलिस के अनुसार, इसी दौरान अतीक होल्डिंग सेंटर से फरार हो गया। इसके बाद एसटीएफ और जिला विशेष शाखा की टीम उसकी तलाश में जुटी थी।

2005 में बांग्लादेश से भारत आने का दावा

दरअसल, एसटीएफ निरीक्षक संजय शिंदे को सूचना मिली थी कि अतीक सरकंडा क्षेत्र में छिपकर रह रहा है। इसके बाद एसटीएफ और जिला विशेष शाखा की टीम ने उसके ठिकानों और गतिविधियों पर नजर रखी।

24 सितंबर की सुबह करीब 5 बजे टीम ने सूर्या विहार कॉलोनी स्थित उसके किराए के मकान में दबिश दी। यहां से अतीक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस की पूछताछ में अतीक ने अपना मूल पता बांग्लादेश के नारायणगंज जिले का बताया। उसने साल 2005 में बांग्लादेश से भारत आने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार, 2005 से 2007 तक वह तमिलनाडु में रहा। इसके बाद बिलासपुर आ गया और साल 2007 से यहीं रह रहा था।

एपटीपीएस में लिफ्ट मेंटेनेंस का काम करता था

पुलिस के अनुसार, अतीक सीपत एपटीपीएस में बीईसीओ LIFTS PRIVATE LIMITED के माध्यम से लिफ्ट मेंटेनेंस का काम कर रहा था। उसके किराए के मकान की तलाशी में भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र और नौवीं की अंकसूची समेत कई दस्तावेज मिले हैं।

पुलिस का दावा है कि पूछताछ में अतीक ने इन दस्तावेजों को गलत तरीके से बनवाने की बात स्वीकार की है। दस्तावेजों की सत्यता और इन्हें तैयार कराने से जुड़े नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए टोल-फ्री नंबर 1800-233-1905 जारी किया है।

अब बांग्लादेश डिपोर्टेशन की कार्रवाई

बिलासपुर पुलिस अब अतीक हुसैन को बांग्लादेश डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर रही है। कार्रवाई पूरी होने तक उसे रायपुर के होल्डिंग सेंटर भेजा जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, मामले की जानकारी संबंधित बांग्लादेशी दूतावास को भी दी जा रही है।

समय पर चालान पेश करने वाले 20 विवेचकों को एसएसपी ने किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जिले में कार्यरत विवेचकों द्वारा एफआईआर के पश्चात त्वरित कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय-सीमा में विवेचना पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने के कार्य की समीक्षा की गई। उपलब्ध अभिलेखीय आंकड़ों के आधार पर समयबद्ध विवेचना एवं अभियोग पत्र प्रस्तुत करने वाले विवेचकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नवीन आपराधिक कानून के प्रावधानों के अनुरूप अपराध पंजीबद्ध होने के पश्चात त्वरित विवेचना पूर्ण कर अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाना महत्वपूर्ण है। इसी क्रम में प्रशिक्षु उप निरीक्षकों को विवेचना की प्रक्रिया, समयबद्धता, साक्ष्य संकलन तथा अभियोग पत्र प्रस्तुत करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

समयबद्ध विवेचना एवं अभियोग पत्र प्रस्तुत करने वाले विवेचकों में थाना सुपेला, भिलाई नगर, जामुल, अंडा, पुलगांव, वैशाली नगर, खुर्सीपार, धमधा, पाटन, छावनी एवं कुम्हारी में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। प्रशस्ति पत्र प्राप्त करने वाले विवेचकों में उमेश शुक्ला, ओमप्रकाश साहू, हरचंद सिंह, रविन्द्र सिंह, शिव चंद्रा, अभिषेक मिश्रा, शशिकांत साहू, जितेन्द्र शुक्ला, राजीव दुबे, वेदराम चंद्रवंशी, रमेश दुबे, चंद्रिका प्रसाद, रविन्द्र कुमार ठाकुर, जय प्रकाश सूर्यवंशी, चेतन साहू, गोविंदनाथ चौधरी, सुनील वर्मा, लोकेश लहरी, मदन बिंझकर एवं हेमंत कुमार शामिल हैं।

पत्नी को लेने मायके गया, लौटते समय पेड़ से टकराई वैन, अस्पताल में हुई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। पत्नी को मायके से वापस लेने पहुंचे पति की घर लौटते समय सड़क हादसे में मौत हो गई। फाकरमार-जोबी चौकी के पास तेज रफ्तार ओमनी सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। गंभीर रूप से घायल चालक अशोक पटेल (33) को पुलिस ने रायगढ़ भेजा, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अशोक पटेल रामपुर करतला का रहने वाला था। उसकी पत्नी दर्रामुड़ा रायगढ़ की रहने वाली है। दोनों के चार बेटियां और एक बेटा है। पुलिस के अनुसार 16 सितंबर को पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। इसके दो दिन बाद 18 सितंबर को पत्नी बच्चों को लेकर मायके चली गई थी। 19 सितंबर को अशोक उसे लेने ओमनी से दर्रामुड़ा पहुंचा था। पत्नी ने पुलिस को बताया कि अशोक मजदूरी करता था और करीब 10 महीने पहले लोन पर ओमनी वाहन खरीदा था। पत्नी के अनुसार अशोक के शराब पीने को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था।

19 सितंबर को दर्रामुड़ा पहुंचने के बाद उसने शराब पीने के लिए पैसे मांगे। घर में किसी के नहीं होने और पत्नी द्वारा पैसे देने से मना करने पर वह नाराज होकर ओमनी से वापस लौट गया। इसी दौरान चौकी के पास ओमनी सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे इलाज के लिए रायगढ़ भेजा गया। लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पीडीएस गड़बड़ी मामले का फरार आरोपी गिरफ्तार, जांच में 12.89 लाख का खाद्यान्न कम पाया गया था, आरोपी को जेल भेजा गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के खाद्यान्न में करीब 12.89 लाख रुपए की गड़बड़ी के मामले में फरार चल रहे उचित मूल्य दुकान के विक्रेता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। खाद्य विभाग की जांच में दुकान से बड़ी मात्रा में चावल, शक्कर और नमक कम मिला था।

मामला रैरूमाखुर्द चौकी क्षेत्र का है। धरमजयगढ़ तहसील के ससकोबा स्थित उचित मूल्य दुकान की 3 सितंबर को खाद्य विभाग ने जांच की थी। इसमें 499.65 क्विंटल चावल, 5.37 क्विंटल शक्कर और 8.03 क्विंटल नमक कम पाया गया। इसकी कुल कीमत करीब 12 लाख 89 हजार 375 रुपए बताई गई है। जांच में यह भी सामने आया कि अगस्त महीने में हितग्राहियों से ई-पॉस मशीन पर फिंगर लगवाने के बाद भी उन्हें राशन का वितरण नहीं किया गया था। इसके बाद खाद्य विभाग के अधिकारियों ने सरोज स्व सहायता समूह की अध्यक्ष उमाबाई राठिया, सचिव माधुरी बाई

राठिया और विक्रेता बिहारी राठिया के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। 12 सितंबर को पुलिस ने समिति की अध्यक्ष उमाबाई राठिया और सचिव माधुरी बाई राठिया को गिरफ्तार किया था। दोनों को रिमांड पर जेल भेज दिया गया था। वहीं, केस दर्ज होने के बाद से दुकान का विक्रेता बिहारी राठिया (32), निवासी ससकोबा जूनापारा, फरार था।

सूचना के आधार पर पुलिस ने गांधी प्रतिमा चौक, रैरूमाखुर्द के पास घेराबंदी कर बिहारी राठिया को पकड़ लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से 4 रजिस्टर जब्त किए हैं। पुलिस ने आरोपी बिहारी राठिया को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

महादेव सट्टा का वांटेड आरोपी हैदराबाद एयरपोर्ट से पकड़ाया, रायपुर कोर्ट में पेश, 2 दिन की मिली रिमांड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महादेव सट्टा केस में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वांटेड आरोपी अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया है। वह दुबई से भारत लौटा था। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचते ही सीबीआई ने उसे अरेस्ट कर लिया। गिरफ्तारी के बाद अभिषेक को हैदराबाद की स्थानीय अदालत में पेश किया गया। सीबीआई को कोर्ट से उसकी 3 दिन की ट्रांजिट रिमांड मिली। इसके बाद आरोपी को रायपुर लाकर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 2 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

जांच एजेंसी के मुताबिक, अभिषेक महादेव बुक के जरिए ऑनलाइन सट्टा और जुआ चलाने, पैनल के बीच तालमेल और सट्टे से जुटाई गई रकम के कलेक्शन में सक्रिय था। सीबीआई का दावा है कि सट्टे से कमाए गए पैसों से अभिषेक ने दुबई में अचल संपत्तियां भी खरीदी थीं। गिरफ्तारी के बाद तलाशी में उसके कब्जे से

कुछ महत्वपूर्ण सामग्री भी जब्त की गई है।

सौरभ चंद्राकर के साथ काम करने का दावा

सीबीआई के अनुसार, अभिषेक कुमार की भूमिका महादेव बेटिंग ऐप के संचालन में सामने आई हैं। जांच में जब्त सामग्री से उसके सक्रिय रूप से जुड़े होने के संकेत मिले हैं। एजेंसी का कहना है कि वह महादेव ऐप के मुख्य आरोपियों सौरभ चंद्राकर और शुभम सोनी के साथ मिलकर काम करता था।

रायपुर में 2 दिन की पुलिस रिमांड

गिरफ्तारी के बाद अभिषेक को हैदराबाद की स्थानीय अदालत में पेश किया गया। कोर्ट से सीबीआई को उसकी 3 दिन की ट्रांजिट रिमांड मिली। इसके बाद आरोपी को रायपुर लाकर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 2 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े मामलों में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग थानों में दर्ज 13 एफआईआर राज्य सरकार ने सीबीआई को ट्रांसफर की थीं। सीबीआई ने इन सभी मामलों की जांच अपने हाथ में ली है। सीबीआई के मुताबिक अब तक मामले में 100 आरोपियों के खिलाफ 8 चार्जशीट दाखिल की जा चुकी हैं। इनमें महादेव बेटिंग ऐप के मुख्य प्रमोटर, पैनल ऑपरेटर, हवाला ऑपरेटर और छत्तीसगढ़ सरकार के लोक सेवक शामिल हैं।

7 रेड कॉर्नर नोटिस, 2 प्रत्यर्पण प्रस्ताव भेजे

सीबीआई फरार मुख्य प्रमोटरों को भारत वापस लाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए अब तक 7 रेड कॉर्नर नोटिस और 2 प्रत्यर्पण प्रस्ताव भेजे गए हैं। वहीं, 2 आरोपियों के खिलाफ प्रत्यर्पण की कार्रवाई चल रही है।

सीबीआई ने कहा है कि अवैध ऑनलाइन सट्टा कारोबार में शामिल सभी आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के साथ अपराध से अर्जित रकम का पता लगाने की कार्रवाई जारी रहेगी।

दूसरे के नाम पर वाहन फाइनेंस कर बेच देते थे शातिर, दो आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। दूसरे के नाम पर वाहन व सामग्री फाइनेंस कर धोखाधड़ी करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। स्मृति नगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 8 वाहन व एक वाशिंग मशीन जब्त किया है। आरोपियों द्वारा जरूरतमंद लोगों को आर्थिक लाभ का लालच देकर उनके नाम पर वाहन एवं अन्य सामग्री फाइनेंस कराई जाती थी। प्रकरण से जुड़े अन्य व्यक्तियों से पूछताछ तथा शेष मसरूका की पतासाजी एवं बरामदगी की कार्रवाई विवेचना के दौरान जारी है।

प्रार्थी मनीष डहेरवाल निवासी भिलाई नगर जिला दुर्ग द्वारा 21 सितंबर 2026 को चौकी स्मृतिनगर में शिकायत प्रस्तुत की गई कि आरोपियों द्वारा छल-कपट एवं धोखाधड़ी करते हुए प्रार्थी एवं उसके परिचितों के नाम पर वाहन एवं अन्य सामग्री फाइनेंस कराकर आर्थिक एवं संपत्ति संबंधी नुकसान पहुंचाया गया है। शिकायत एवं जांच में प्राप्त तथ्यों के आधार पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

आरोपियों द्वारा जरूरतमंद लोगों को आर्थिक लाभ एवं सहायता का लालच देकर उनके नाम पर वाहन एवं अन्य सामग्री फाइनेंस कराई जाती थी। फाइनेंस के समय डाउन पेमेंट स्वयं करने तथा इएमआई भरने का आश्वासन दिया जाता था। इसके बाद फाइनेंस कराई गई सामग्री को कम कीमत पर अन्य व्यक्तियों को बेचकर प्राप्त रकम आपस में बांट ली जाती थी। प्रकरण में फाइनेंस कराए गए वाहन एवं अन्य सामग्री से संबंधित धोखाधड़ी की घटना चौकी स्मृतिनगर, थाना सुपेला क्षेत्र से संबंधित है। इस मामले में पुलिस ने जसमीत सिंह उर्फ प्रिंस निवासी कैलाश नगर, भिलाई तथा भोजराज राय उर्फ भोजू निवासी कोहका भिलाई को गिरफ्तार किया है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

दुर्ग, दिनांक 18.09.2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 08.10.2026 तक आमंत्रित की जाती है :-

निविदा आमंत्रण सू.क्र. / सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
324/199636	लोक निर्माण विभाग, संभाग दुर्ग के अंतर्गत विभिन्न सड़को में रोड़ शेफ्टी कार्य।	79.64
325/199638	बेमेतरा संभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में रोड़ मार्किंग एवं सूचना पलक का कार्य।	30.00
326/199639	शासकीय कृषि प्रक्षेत्र मोहगांव साजा जिला - बेमेतरा में गोदाम भवन का निर्माण कार्य।	20.00
327/199640	लोक निर्माण विभाग, संभाग मोहला - मानपुर-अं. चौकी के जमा मद अंतर्गत गैर आवासीय एवं आवासीय संस्था में विभिन्न निर्माण कार्य।	16.95
328/199641	विकासखण्ड छुरिया, जिला राजनांदगांव के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छुरिया में सीमेंट कांक्रीट पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	21.03

टीप :-
1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

जी-262703486/6

रायपुर में तीन चाकूबाज समेत चार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर के मध्य जोन में आपराधिक एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान के तहत बुधवार को कोतवाली डिवीजन के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। इस दौरान तीन आर्म्स एक्ट और एक सट्टा प्रकरण में कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन धारदार चाकू, एक मोबाइल फोन और 1,400 रुपये नकद बरामद किए। सिटी कोतवाली पुलिस को सूचना मिली थी कि गांधी नगर कालीबाड़ी क्षेत्र में एक युवक धारदार चाकू लेकर घूम रहा है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर रणवीर सेंदरे उर्फ रेमो (19), निवासी गांधी नगर कालीबाड़ी, रायपुर को पकड़ा। उसके कब्जे से 11.5 इंच लंबा धारदार चाकू बरामद किया गया। आरोपी के खिलाफ धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sis Jewellery
Beside Parakh Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

मिठाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार
बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़,
अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी
का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

क्रेडाई छत्तीसगढ़ स्टेटकॉन-2026 'बिल्डिंग विकसित छत्तीसगढ़'

एनआईडीपी के बाद छत्तीसगढ़ को मिले 8 लाख करोड़ के निवेश

- विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में रियल एस्टेट सेक्टर की होगी अहम भूमिका
- स्टेट कैपिटल रीजन बनेगा प्रदेश के विकास का नया ग्रोथ इंजन
- सुशासन और ईज ऑफडूइंग बिजनेस के लिए 400 से अधिक सुधार, प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण से बढ़ी पारदर्शिता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने में रियल एस्टेट सेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और शहरीकरण के साथ प्रदेश में आधुनिक शहरों, गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ आवास तथा मजबूत अधोसंरचना की आवश्यकता भी बढ़ रही है। राज्य सरकार रियल एस्टेट सेक्टर के विकास के लिए पारदर्शी व्यवस्था, सरल प्रक्रियाओं और निवेश के अनुकूल वातावरण के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नवा रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित क्रेडाई छत्तीसगढ़ स्टेटकॉन-2026 'बिल्डिंग विकसित छत्तीसगढ़' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। श्री साय ने कहा कि अपना घर प्रत्येक परिवार का सपना होता है। पिछले पौने तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट सेक्टर ने तेजी से प्रगति की है। आने वाले वर्षों में प्रदेश में बढ़ते निवेश, औद्योगिकीकरण, बेहतर कनेक्टिविटी और नए शहरी केंद्रों के विकास के साथ इस क्षेत्र में संभावनाएं और बढ़ेंगी। उन्होंने रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े उद्यमियों से कहा कि वे प्रदेश के विकास में भागीदार बनें और गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक तथा भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आवासीय एवं व्यावसायिक परियोजनाओं के निर्माण में योगदान दें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नक्सलवाद लंबे समय तक छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर के विकास में बड़ी बाधा रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और हमारे सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मिली है और आज छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्त होकर विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है।

उन्होंने कहा कि बस्तर की जनता ने लगभग चार दशकों तक नक्सल हिंसा का दंश झेला। नक्सलियों द्वारा स्कूल, अस्पताल, सड़क और अन्य विकास कार्यों का विरोध किए जाने के कारण अनेक क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहे। राज्य सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ अभियान के साथ-साथ विकास को भी समान प्राथमिकता दी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 'नियद नेल्लानार' योजना के माध्यम से दूरस्थ गांवों में सड़क, बिजली, पेयजल सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। गोंडी भाषा में 'नियद नेल्लानार' का अर्थ 'आपका अच्छा गांव' है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत 34 लाख लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है और लगभग 40 हजार लोगों का उपचार किया गया है। 'बस्तर मुन्ने' कार्यक्रम के माध्यम से शासकीय अमला गांवों में ठहरकर पात्र परिवारों तक योजनाओं और सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति को निवेशकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है और प्रदेश को अब तक लगभग 8 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

सेमीकंडक्टर, टेक्सटाइल सहित अनेक क्षेत्रों में परियोजनाएं धरातल पर उतरनी प्रारंभ हो गई हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग, आवास, अधोसंरचना और शहरी विकास एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और इन सभी क्षेत्रों की समन्वित प्रगति विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को गति देगी।

रजिस्ट्री प्रक्रियाओं का लगातार सरलीकरण : आवास मंत्री चौधरी

आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का पूरा फोकस गवर्नेंस और रिफॉर्म पर है। उद्योग, व्यापार और रियल एस्टेट सेक्टर के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की दिशा में लगातार निर्णय लिए जा रहे हैं। रजिस्ट्री की प्रक्रियाओं को सरल और नागरिक अनुकूल बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि व्हाट्सएप के माध्यम से दस्तावेज उपलब्ध कराने से लेकर ऑटो म्यूटेशन तक तकनीक आधारित सुधार किए गए हैं। महिला सशक्तीकरण की दिशा में महिलाओं को पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दी गई है। गाइडलाइन दर से अधिक मूल्य पर होने वाली रजिस्ट्री के संबंध में भी पंजीयन शुल्क से जुड़ी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि स्टेट कैपिटल रीजन छत्तीसगढ़ के भविष्य के विकास का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। सरकार की कोशिश है कि शहरीकरण केवल शहरों के विस्तार तक सीमित न रहे, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से आधुनिक अधोसंरचना, बेहतर कनेक्टिविटी और नागरिक सुविधाओं के साथ नए आर्थिक अवसरों का भी निर्माण करे।

कार्यक्रम में क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेखर पटेल, निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष जी.वाई. रेड्डी, क्रेडाई के राष्ट्रीय सदस्य आनंद सिंघानिया, क्रेडाई रायपुर के अध्यक्ष पंकज लाहोटी, अभिषेक बछावत, अशोक मूंदड़ा सहित बड़ी संख्या में वास्तुविद, इंजीनियर, उद्यमी, रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि तथा क्रेडाई के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित थे।

'छत्तीसगढ़ अंजोर' प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 संकल्प के अनुरूप

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इसी संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार ने विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए विजन डॉक्यूमेंट 'छत्तीसगढ़ अंजोर' तैयार किया है। राज्य ने अपनी अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। छत्तीसगढ़ के पास इस लक्ष्य को प्राप्त करने की अपार क्षमता है। प्रदेश का लगभग 44 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है। प्रचुर खनिज संपदा, पर्याप्त बिजली और जल संसाधन उपलब्ध हैं। देश के प्रमुख क्षेत्रों से प्रदेश की कनेक्टिविटी लगातार मजबूत हो रही है। यहां के मेहनतकश लोग हमारी सबसे बड़ी शक्ति हैं। 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' केवल एक कहावत नहीं, बल्कि प्रदेशवासियों की सरलता, परिश्रम और सामर्थ्य की पहचान है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री के रूप में कार्य करने के अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री की कार्यशैली को निकट से देखा है। प्रधानमंत्री देश के 140 करोड़ नागरिकों को अपना परिवार मानकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारत आधुनिक अधोसंरचना, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था और जनकल्याण के नए अध्याय लिख रहा है।

हर परिवार के पक्के घर का सपना हो रहा साकार

प्रधानमंत्री आवास योजना ने देश के करोड़ों परिवारों के पक्के घर के सपने को साकार किया है। प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1600 प्रधानमंत्री आवास बन रहे हैं। पक्के आवास तेजी से ग्रामीण जीवन की तस्वीर बदल रहे हैं। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के लिए 3.65 लाख अतिरिक्त आवासों की स्वीकृति दी है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजातियों के परिवारों के लिए भी आवास बनाए जा रहे हैं। आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास के लिए तैयार नीति के अंतर्गत 15 हजार आवासों के निर्माण को भी स्वीकृति मिली है।

स्टेट कैपिटल रीजन बनेगा नया ग्रोथ इंजन

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टेट कैपिटल रीजन के अंतर्गत रायपुर के साथ दुर्ग, भिलाई और राजनांदगांव क्षेत्र को जोड़ते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास की योजना बनाई जा रही है। स्टेट कैपिटल रीजन से आवास, उद्योग, व्यापार, परिवहन और सेवा क्षेत्रों में नई संभावनाएं विकसित होंगी तथा यह प्रदेश की अर्थव्यवस्था के प्रमुख ग्रोथ इंजन के रूप में उभरेगा। शहरों में नागरिक सुविधाओं, परिवहन, आवास और अन्य बुनियादी अधोसंरचनाओं का विकास भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। इसमें रियल एस्टेट सेक्टर की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

पर्यटन और होमस्टे से बस्तर में बने नए अवसर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अब अपनी प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति और पर्यटन संभावनाओं के लिए देश-दुनिया में नई पहचान बना रहा है। धुड़मारास गांव को संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों की सूची में शामिल किया गया है। यहां विदेशी पर्यटक होमस्टे में रहकर स्थानीय परिवारों के साथ जनजातीय जीवनशैली और संस्कृति को निकट से जान रहे हैं। होमस्टे पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऋण और सब्सिडी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। नई औद्योगिक विकास नीति में पर्यटन को भी शामिल किया गया है, जिससे निवेश और रोजगार को प्रोत्साहन मिलेगा।

सुशासन और रिफॉर्म से बना बेहतर वातावरण

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया गया है। पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सुशासन और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 400 से अधिक सुधार किए हैं। शासकीय प्रक्रियाओं को ऑनलाइन कर ई-फाइल प्रणाली लागू की गई है। प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और डिजिटलीकरण से लीकेज रोकने में मदद मिली है और प्रदेश के राजस्व में भी वृद्धि हुई है। सरकार का प्रयास है कि नागरिकों और निवेशकों को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।

विश्व पर्यटन सप्ताह के तहत रूरल एंड ट्राइबल टूरिज्म वर्कशॉप

जंगल, अमरावती गंगा से लेकर माई के मंडप तक आईजीएनटीयू के विद्यार्थियों ने की ट्रेकिंग

श्रीकंचनपथ समाचार

पेंड्रा। विश्व पर्यटन सप्ताह 21 से 27 सितंबर के अवसर पर ग्रामीण एवं जनजातीय पर्यटन की संभावनाओं को समझने और स्थानीय संस्कृति से विद्यार्थियों को परिचित कराने के उद्देश्य से गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के ग्राम पंचायत थाड़पथरा स्थित मडहाउस परिसर में 'रूरल एंड ट्राइबल टूरिज्म वर्कशॉप एवं फील्ड विजिट' का आयोजन किया गया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), अमरकंटक के पर्यटन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विभाग के 90 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने केवल पर्यटन स्थलों का भ्रमण ही नहीं किया, बल्कि थाड़पथरा के प्राकृतिक और सांस्कृतिक परिवेश को करीब से समझने का अनुभव प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने मडहाउस परिसर से घने जंगलों और अमरावती गंगा नदी के प्राकृतिक परिवेश से होते हुए कमरापथरा मार्ग से 'माई का मंडप' तक ट्रेकिंग की।

प्रकृति की हरियाली, जंगलों का शांत वातावरण और स्थानीय प्राकृतिक परिवेश विद्यार्थियों के लिए ग्रामीण एवं जनजातीय पर्यटन की व्यावहारिक समझ विकसित करने का माध्यम बना। फील्ड विजिट के दौरान विद्यार्थियों ने जाना कि प्राकृतिक संसाधनों और स्थानीय संस्कृति को संरक्षित रखते हुए पर्यटन गतिविधियों को किस प्रकार विकसित किया जा सकता है।

थाड़पथरा पर्यटन समिति द्वारा आईजीएनटीयू के विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया गया। समिति के सदस्यों ने विद्यार्थियों को स्थानीय पारंपरिक व्यंजनों से परिचित कराया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्थानीय खान-पान और ग्रामीण जीवनशैली की विशेषताओं को भी समझा।

स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से विद्यार्थियों को यह अनुभव हुआ कि पर्यटन गतिविधियों में स्थानीय लोगों की भूमिका केवल आतिथ्य तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे स्थानीय संस्कृति, भोजन, परंपराओं और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के माध्यम से पर्यटन अनुभव को विशिष्ट बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम में पर्यटन नोडल अधिकारी डॉ. राहुल गौतम, ग्रामीण आजीविका मिशन के ब्लॉक मिशन प्रबंधक अभिषेक जायसवाल एवं पर्यटन समन्वयक हर्ष सोनी ने विद्यार्थियों को समुदाय आधारित पर्यटन मॉडल की जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन के विकास के लिए स्थानीय समुदाय की सक्रिय सहभागिता महत्वपूर्ण है। समुदाय की भागीदारी से स्थानीय संस्कृति और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के अवसर विकसित करने की संभावनाएं बढ़ती हैं।

विद्यार्थियों को ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन विकास की संभावनाओं, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग, सामुदायिक भागीदारी और जिम्मेदार पर्यटन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया।

पर्यटन शिक्षा को मिला व्यावहारिक आयाम

विश्व पर्यटन सप्ताह के अवसर पर आयोजित यह फील्ड विजिट विद्यार्थियों के लिए पर्यटन प्रबंधन की पुस्तकीय जानकारी को वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ने का अवसर बना। प्राकृतिक परिवेश, जनजातीय संस्कृति और स्थानीय समुदाय के साथ प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों ने ग्रामीण एवं जनजातीय पर्यटन की संभावनाओं को व्यावहारिक रूप से समझा। कार्यक्रम का आयोजन पर्यटन प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. रोहित रविंद्र बोरलिकर, डॉ. जयप्रकाश नारायना एवं डॉ. दिनेश कुमार परस्ते के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन में थाड़पथरा पर्यटन समिति के सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही।

बैगा संस्कृति और परंपराओं से हुए रूबरू

फील्ड विजिट के दौरान विद्यार्थियों ने बैगा जनजाति की पारंपरिक जीवनशैली, रहन-सहन, खान-पान और गोदना परंपरा को करीब से समझा। प्रकृति के साथ बैगा समुदाय के सामंजस्यपूर्ण जीवन और पारंपरिक ज्ञान ने विद्यार्थियों को जनजातीय संस्कृति की विशिष्टता को समझने का अवसर दिया। विद्यार्थियों ने स्थानीय समुदाय के साथ संवाद करते हुए यह भी जाना कि जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन को केवल प्राकृतिक स्थलों तक सीमित न रखकर वहां की परंपराओं, लोकजीवन, खान-पान, कला और सांस्कृतिक विरासत से जोड़कर अधिक समृद्ध अनुभव के रूप में विकसित किया जा सकता है।

देश विदेश के पर्यटकों को आकर्षित कर रहा छत्तीसगढ़ का ग्रामीण पर्यटन मॉडल

श्रीकंचनपथ समाचार

- लमना विलेज स्टे में ब्रिटेन के अतिथियों ने ग्रामीण जीवन, स्थानीय संस्कृति और हाट-बाजार का लिया अनुभव

रायपुर। छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, ग्रामीण जीवनशैली, लोक संस्कृति और आत्मीय आतिथ्य अब देश ही नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित कर रहा है। पर्यटन के बदलते स्वरूप में अब पर्यटक केवल बड़े शहरों और प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे गांवों की मिट्टी की खुशबू, स्थानीय खान-पान, परंपराओं, हस्तशिल्प और ग्रामीण जीवन को करीब से अनुभव करने में भी रुचि ले रहे हैं। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के लमना विलेज स्टे में ब्रिटेन से पहुंचे पर्यटकों का प्रवास इसी बदलती पर्यटन तस्वीर की जीवंत मिसाल है।

ब्रिटेन से आए श्री फ्रैंक रोजर मार्सटन और श्रीमती जेनिफर मार्गरेट रेनफ्रू मार्सटन का लमना गांव पहुंचने पर ग्रामीणो ने पारंपरिक आत्मीयता के साथ तिलक लगाकर तथा ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच स्वागत किया। विदेशी अतिथियों ने भी ग्रामीणों के इस आत्मीय स्वागत का आनंद लिया और स्थानीय लोगों के साथ सहजता से घुल-मिलकर छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति को करीब से महसूस किया।

लमना विलेज स्टे में अतिथियों का अनुभव केवल ठहरने तक सीमित नहीं रहा। उन्हें गांव की गलियों, खेत-खलिहानों, पारंपरिक परिवेश और स्थानीय जीवन से परिचित कराने के लिए 'विलेज वॉक' कराया गया। इस दौरान अतिथियों ने ग्रामीणों से संवाद किया, स्थानीय जीवनशैली को समझा और गांव के सहज वातावरण का आनंद लिया। अतिथियों ने ग्रामीण परिवारों, बच्चों, महिलाओं और स्थानीय लोगों के साथ संवाद भी किया।

लमना प्रवास के दौरान स्थानीय ग्रामीण हाट का भ्रमण विदेशी मेहमानों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। हाट में उन्होंने स्थानीय दुकानदारों और ग्रामीणों से बातचीत की तथा मिट्टी के बर्तन, बांस से बने सामान, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, स्थानीय खाद्य सामग्री, सब्जियों और अन्य ग्रामीण उत्पादों को करीब से देखा। ग्रामीण बाजार की चहल-पहल, स्थानीय उत्पादों की विविधता और लोगों के सहज व्यवहार ने अतिथियों को भारतीय गांव के वास्तविक जीवन का अनुभव कराया।

लमना विलेज स्टे की खासियत यह है कि यहां पर्यटक केवल किसी स्थान को देखने नहीं आते, बल्कि स्थानीय जीवन का हिस्सा बनकर उसे महसूस करते हैं। ब्रिटिश अतिथियों ने ग्रामीण परिवेश में समय बिताया, स्थानीय लोगों के साथ बैठकर बातचीत की और पारंपरिक ग्रामीण वातावरण को नजदीक से जाना। गांव की सादगी, प्राकृतिक परिवेश और लोगों की सहज आत्मीयता ने उनके प्रवास को एक अलग तरह का अनुभव दिया।

छत्तीसगढ़ में पर्यटन अब प्रकृति और दर्शनीय स्थलों से आगे बढ़कर अनुभव आधारित पर्यटन की ओर विस्तार कर रहा है। छत्तीसगढ़ में प्रकृति, जनजातीय संस्कृति, हस्तशिल्प, होमस्टे और इको-टूरिज्म को पर्यटन अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं। इससे स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार और उद्यमिता के अवसरों को जोड़ने वाले पर्यटन मॉडल को महत्व मिल रहा है।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में मैकल पर्वत श्रृंखला, जंगल, जलप्रपात, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक पर्यटन की विविध संभावनाएं मौजूद हैं। शिवघाट मनौरा, जलेश्वर धाम, लक्ष्मणधारा, झोजा जलप्रपात और धनपुर सहित अनेक प्राकृतिक एवं धार्मिक स्थल शामिल हैं। लमना विलेज स्टे जैसे केंद्र पर्यटकों को प्रकृति और स्थानीय जीवन से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950